(An India Newspaper)

ELARIS CONSULTING
Beyond The Visible

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by)
SPYeye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 20 | मंगलवार, 23-29 दिसंबर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

बांग्लादेश में 2 न्यूज चैनल्स, अवामी लीग के ऑफिस फूंके

■ शेख हसीना विरोधी नेता की मौत के बाद हिंसा, हिंदू युवक को जलाया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद हिंसा भड़क गई है। प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार देर रात देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में जबरन घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास में भी तोड़फोड़ की गई है और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के ऑफिस को भी जला दिया गया है। उस्मान हादी शेख हसीना के खिलाफ जुलाई 2024 में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उन्हें 12 दिसंबर को चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। इसके बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए सिंगापुर ले जाया गया था। 6 दिन बाद उनकी मौत हो गई। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद उसके शव को नग्न करके एक पेड़ से लटका कर आग लगा दी। पुलिस ने मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में की है पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात भालुका में हुई।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे एयरबेस पर होंगे अपाचे हेलिकॉप्टर तैनात

■ जैसलमेर में हुए 2 युद्धाभ्यास में थे शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे घातक अटैक हेलिकॉप्टर कहे जाने वाले AH-64E अपाचे अटैक हेलिकॉप्टरों को जोधपुर एयरबेस पर तैनात किया है, जो एक समय में 256 लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है और 16 लक्ष्यों को प्राथमिकता दे सकता है। ये हेलिकॉप्टर अब पाकिस्तान सीमा की निगरानी और भारत की रक्षात्मक और आक्रामक क्षमताओं को मजबूत बनाएंगे। हाल ही में जैसलमेर क्षेत्र में हुए सैन्य अभ्यास त्रिशूल और मरु ज्वाला में इन हेलिकॉप्टरों का उपयोग किया गया था। अभ्यास के बाद इन्हें पश्चिमी सीमा के पास एक महत्वपूर्ण एयरबेस पर तैनात किया गया है। यह पहली बार है जब भारतीय थल सेना के अपाचे हेलिकॉप्टरों ने किसी बड़े सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया। अभ्यास के दौरान इन हेलिकॉप्टरों ने तय लक्ष्यों पर सटीक हमला किया। जून 2025 में अमेरिका से मिले 3 अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है। ये हेलिकॉप्टर अब ऑपरेशनल ड्यूटी के लिए तैयार हैं। राजस्थान में स्क्वाड्रन होने की वजह से इनका रंग रेत (मिट्टी) जैसा रखा गया है, जिससे रेगिस्तानी इलाकों में छुपने में मदद मिलती है।

दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में ईडी की छापेमारी

करोड़ों रुपये और 300 किलो चांदी जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। डंकी रूट के जरिए भारत से युवाओं को अमेरिका भेजने के मामले में ईडी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में दर्जन भर से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में ईडी ने चार करोड़ रुपये से ज्यादा नकद और 300 किलो से ज्यादा चांदी और छह किलो सोने के बिस्किट जब्त किए। ये छापे गुरुवार को दिल्ली, पंजाब (जालंधर) और हरियाणा (पानीपत) में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर मारे गए।अधिकारियों ने दावा किया कि दिल्ली के एक ट्रैवल एजेंट के ठिकाने से 4.62 करोड़ रुपये कैश, 313 किलो चांदी और 6 किलो सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। जांचकताओं ने छापों के दौरान मिले फोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कुछ आपत्तिजनक चैट भी बरामद की हैं। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में एक मुख्य आरोपी के ठिकाने से 'डंकी' बिजनेस से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि एजेंट अवैध रूप से अमेरिका जाने वाले लोगों के प्रॉपर्टी के दस्तावेज अपने कमीशन की रकम की गारंटी के तौर पर रखते थे। 'डंकी' शब्द का मतलब उस लंबी और मुश्किल यात्रा से है जो अप्रवासी अवैध रूप से देशों में घुसने के लिए करते हैं।केंद्रीय जांच एजेंसी ने जुलाई में डंकी मामले में पहली बार

छापेमारी की थी। हाल ही में कुछ ट्रैवल एजेंटों की 5 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी, जिन्होंने इस अवैध रैकेट के पीछे कुछ कथित आरोपियों की पहचान की गई। एऊ की जांच पंजाब और हरियाणा पुलिस द्वारा फरवरी 2025 में अमेरिकी सरकार द्वारा सैन्य कार्गो विमानों में 330 भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजने के संबंध में दर्ज की गई। इन मामलों में कई एफआईआर हुई। ईडी का कहना है कि आरोपियों ने उन्होंने भोले-भाले लोगों को कानूनी रूप से अमेरिका भेजने का लालच देकर धोखा दिया और इसके लिए भारी रकम वसूली।हालांकि पैसे लेने के बावजूद लोगों को दक्षिण अमेरिकी देशों के रास्ते खतरनाक रास्तों से भेजा गया, सीमा पार करके अवैध रूप से अमेरिका में घुसने के लिए मजबूर किया गया। कुछ दिन पहले जारी ईडी के एक बयान के अनुसार, पूरी यात्रा के दौरान इन लोगों को टॉर्चर किया गया, उनसे और पैसे वसूले गए और उनसे गैर-कानूनी काम करवाए गए।

राजनाथ बोले: सुदर्शन चक्र से मजूबत होगी देश की सुरक्षा

ऑपरेशन सिंदूर को ध्यान में रखकर आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रहे सेना

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दिल्ली में आयोजित एयर फोर्स कमांडर्स कॉन्क्लेव में गुरुवार को रक्षा मंत्री ने भाग लिया। उन्होंने वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से मिले रणनीतिक और ऑपरेशनल संबंधी सबक को ध्यान में रखकर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहें। रक्षा मंत्री ने वायुसेना को तकनीकी रूप से उन्नत, रणनीतिक रूप से आत्मविश्वासी और हर परिस्थिति में प्रभावी प्रतिक्रिया देने वाली फोर्स बताया। कॉन्क्लेव में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जब पाकिस्तान ने भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की असफल कोशिश की, तब आम लोग शांत रहे और

सामान्य गतिविधियां जारी रहीं। यह भारतीय जनता के अपनी सेनाओं पर भरोसे को दिखाता है। ऐसी स्थिति में लोगों का संयम देश की तैयारी और क्षमता पर विश्वास को दशार्ता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट है कि आधुनिक युद्ध में एयर पावर केवल सामरिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साधन बन चुकी है। इसकी ताकत गति, आश्चर्य और त्वरित प्रभाव में है, जिससे राजनीतिक नेतृत्व को भी स्पष्ट संदेश देने में मदद मिलती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित ह्यसुदर्शन चक्रह्ल को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। यह सिस्टम भारत की लेयर्ड एयर डिफेंस क्षमता को मजबूत करेगा। इसमें सेंसर, हथियार प्लेटफॉर्म और कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम का एकीकरण होगा, ताकि हवाई खतरों पर समय पर प्रतिक्रिया दी जा सके। युद्ध का स्वरूप अब तकनीक और नवाचार पर आधारित है। साइबर युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी और स्पेस टेक्नोलॉजी इसकी अहम कड़ियां हैं। ऑपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के संयुक्त संचालन का उदाहरण है। उन्होंने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय पर जोर दिया। देश की राजधानी दिल्ली चौतरफा सुरक्षा सिस्टम से लैस होने जा रही है। इसे कैपिटल डोम नाम दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान ने दिल्ली पर मिसाइलें दागी थीं, लेकिन हमारे स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम ने इसे हवा में ही मार गिराया था। इसी के बाद दिल्ली को अलग से एक ह्यसुदर्शन चक्रह्ल का सुरक्षा घेरा देने पर मंथन किया गया। फिलहाल यह सिस्टम लगभग तैयार है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की अगुवाई में जिस डिफेंस सिस्टम को तैयार किया जा रहा है, उसमें दिल्ली के चारों ओर तीन सुरक्षा घेरे होंगे।

दिल्ली में लगातार छठे दिन हवा जहरीली, एक्यूआई 387

■ धुंध-कोहरे के कारण शुक्रवार को 152 फ्लाइट्स कैंसिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में गुरुवार से प्रदूषण के खिलाफ सख्त नियम लागू हो गए। इसके बावजूद शुक्रवार को लगातार छठे दिन हवा बेहद खराब रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे दिल्ली में एयर क्वालिटी (AQI) 387 दर्ज किया गया। शहर में हवा की गुणवत्ता गुरुवार की तुलना में और भी बिगड़ गई है। कल शाम 4 बजे शहर का अदक 373 था। प्रदूषण के साथ शहर के ज्यादातर हिस्से जहरीले धुंध (स्मॉग) की चपेट में हैं। आईटीओ, गाजीपुर, पालम और ग्रेटर नोएडा के आसपास के इलाके भी धुंध की मोटी परत से घिरे रहे। दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर आज दिन भर के लिए 152 फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, कैंसिल होने वाली फ्लाइट्स में 79 दिल्ली से जाने और 73 आने वाली फ्लाइट्स हैं। इनमें 4 इंटरनेशनल फ्लाइट्स भी शामिल हैं। कई उड़ानें घंटों देरी से चल रही हैं। एअर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी कई एयरलाइनों ने उड़ानें प्रभावित होने की आशंका को लेकर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इससे पहले गुरुवार को धुंध के कारण एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम रह गई। इसके चलते 27 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। 100 से अधिक विमान देरी से उड़े। 80 से अधिक ट्रेन लेट हो गईं। दिल्ली में गुरुवार से ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का चौथा फेज लागू हो गया। इसके तहत दिल्ली में सिर्फ इर-6 इंजन वाली गाड़ियों को एंट्री मिल रही है।

तमिलनाडु-गुजरात में एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होगी, बंगाल में 58 लाख नाम कटे

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग शुक्रवार को तमिलनाडु और गुजरात में कराए गए स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR, सामान्य शब्दों में वोटर वेरिफिकेशन) की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी करेगा। इसके बाद मतदाता लिस्ट में अपने नाम चेक कर सकेंगे। इससे पहले चुनाव आयोग ने 16 दिसंबर को पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की थी। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को SIR की घोषणा के समय इन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों

में 13.35 करोड़ मतदाता थे। वहीं ड्राफ्ट लिस्ट में यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई है। यानी 1.02 करोड़ नाम हटाए गए हैं। बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। राजस्थान में 41.85 लाख और पुडुचेरी में 85 हजार वोटर्स के नाम काटे गए हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद मतदाता तय समय में नाम जोड़ने, सुधार करने और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। SIR का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी। पश्चिम बंगाल- यहां 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम मृत वोटरों के हैं। 19 लाख 88 हजार 76 वोटर ऐसे हैं जो दूसरे जगह शिफ्ट हो गए हैं। 12 लाख 20 हजार 38 वोटर लापता, 1 लाख 38 हजार 328 डुप्लीकेट या फर्जी और 57 हजार 604 नाम अन्य कारणों से हटाने के प्रस्ताव में हैं।

हिजाब विवाद, सीएम नीतीश कुमार को महबूबा की बेटी की धमकी

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में महिला डॉक्टर का हिजाब हटाने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जम्मू-कश्मीर की पूर्व CM महबूबा मुफ्ती की बेटी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP) नेता इल्तिजा मुफ्ती ने धमकी दी है। इल्तिजा ने श्रीनगर में कहा- आपको (नीतीश) कोई हक नहीं बनता कि आप हमारे नकाब या हिजाब को हाथ लगाए। अगली बार हमारे हिजाब को हाथ लगाया तो हम मुसलमान औरतें ऐसा सबक सिखाएंगी कि जिंदगी भर भूलेंगे नहीं। PDP नेता ने कहा- नीतीश कुमार ने जो हरकत की, उसके

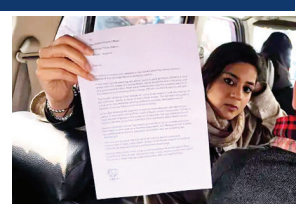

लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। इल्तिजा ने कोठीबाग थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बिहार CM के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हालांकि, पुलिस की ओर से इस पर कोई जानकारी नहीं दी गई है कि बिहार CM के खिलाफ FIR दर्ज की गई है या नहीं। बिहार CM नीतीश 15 दिसंबर को राजधानी पटना में एक समारोह में 1,283 आयुष डॉक्टरों को

संसद के शीतकालीन सत्र में 8 बिल पास

कांग्रेस का आरोप: शुरूआत टैगोर के और अंत महात्मा गांधी के अपमान से हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र शुक्रवार को खत्म हुआ। 1 दिसंबर से शुरू हुआ सत्र 19 दिसंबर तक चला। केंद्र सरकार ने 14 बिल लाने की बात कही थी। विपक्ष का आरोप है कि 12 बिल ही पेश किए गए। दोनों सदनों से 8 बिल पास किए गए। 2 बिल कमेटी को भेजे गए। सरकार ने कुछ बिल पेश ही नहीं किए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया- सत्र की शुरूआत रवींद्रनाथ टैगोर के अपमान से हुई और अंत महात्मा गांधी के अपमान के साथ हुआ। पीएम मोदी की रणनीति साफ थी, जो आधुनिक भारत बनाने वाले तीन लोगों (टैगोर, महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू) का अपमान करना था। रमेश ने कहा- वंदे मातरम् पर बहस सरकार की नेहरू को बदनाम करने और इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने पर थी। 1937 में टैगोर की सिफारिश पर ही CWC ने फैसला किया था कि वंदे मातरम् के पहले दो छंदों को राष्ट्रगान के रूप में गाया जाएगा। MGNREGA की जगह G RAM G बिल लाना महात्मा गांधी का अपमान है। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चला। इस दौरान राज्यसभा की प्रोडक्टिविटी 121% और लोकसभा की 111% रही।

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने समापन भाषण में कहा- सत्र में जीरो आवर नोटिस (जरूरी मुद्दे सदन में उठाने की परमिशन मांगने का तरीका) की संख्या अब तक की सबसे ज्यादा रही। हर दिन औसतन 84 नोटिस आए, जो पिछले सत्रों से 31% ज्यादा हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संसद के शीतकालीन सत्र के खत्म होने पर संसद भवन में अपने चैंबर में पार्टियों के नेताओं और लोकसभा सांसदों के साथ मीटिंग की। इस मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे। सपा सांसद चौधरी राम शिरोमणि वर्मा ने VB-G RAM G बिल 2025 पर कहा, "भाजपा नाम बदलने में बहुत तेज है लेकिन नाम बदलने से कुछ होने वाला नहीं है। मनरेगा का नाम महात्मा गांधी के नाम से था और तमाम गरीब इस योजना का लाभ ले रहे थे। देश में महात्मा गांधी को मानने वाले लोग बड़ी संख्या में है। हम सभी लोग भगवान राम को भी मानते हैं लेकिन कहीं न कहीं भाजपा वोटों की राजनीति करने के लिए नाम बदल रही है।" भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 8 विपक्षी सांसदों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया, अगले सत्र की कार्यवाही में शामिल होने से रोकने की मांग की। लोकसभा की कार्रवाई 11 बजे शुरू हुई। लेकिन वंदेमातरम के तुरंत बाद अध्यक्ष ने इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। बिरला ने कहा कि सत्र के दौरान सदन की उत्पादकता 111 प्रतिशत रही। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने VB-G RAM G बिल 2025 पर कहा- संसद का सत्र इतने दिनों से चल रहा है लेकिन आप आखिरी दिनों में कुछ बिल लेकर आते हैं और उसके लिए कम समय रखते हैं। उसे हड़बड़ी में पास करते हैं। ये अपने आप में संदिग्ध बात है। उन्होंने कहा- प्रदूषण पर चर्चा क्यों नहीं हो सकती? चर्चा होनी चाहिए, सबकी बात सुननी चाहिए।

चाय पर चर्चा: सत्र के समापन पर स्पीकर बिरला ने बुलाई

पीएम मोदी-प्रियंका समेत तमाम सांसद हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र का आज समापन हो गया। अंतिम कार्यदिवस पर लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण कोई विधायी काम नहीं हुआ और स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का एलान कर दिया। थोड़ी देर बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा की कार्यवाही भी स्थगित कर दी। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कक्ष में सांसदों को चाय पर आमंत्रित किया। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव समेत विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे। गौरतलब है कि संसद सत्र के समापन पर

लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के साथ बैठक करते हैं। मानसून सत्र के समापन पर भी ऐसी बैठक हुई थी, लेकिन विपक्ष ने उस बैठक का बहिष्कार किया था। इस बार की बैठक में प्रियंका गांधी शामिल हुईं। खास बात ये रही कि वायनाड से पहली बार की सांसद प्रियंका गांधी को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बगल वाली सीट दी गई। वहीं रक्षा मंत्री के पास वाली सीट पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे दिखाई दिए। गुरुवार को लोकसभा में जब प्रियंका गांधी ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से समय नहीं मिलने की शिकायत की थी तो उन्होंने कहा था कि उनका दरवाजा तो हमेशा खुला रहता है। गडकरी ने कहा कि आप प्रश्नकाल के बाद उनके ऑफिस में आकर मिल सकती हैं। इसके बाद प्रियंका गांधी ने सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय में जाकर मुलाकात की थी, जहां गडकरी ने उन्हें स्वादिष्ट डिश भी खिलाई। सत्र समापन के बाद भी जो तस्वीरें सामने आईं, उनमें भी सत्ता और विपक्षी सांसद मुस्कुराते हुए नजर आए, जो कहीं न कहीं देश के लोकतंत्र की खूबसूरती को दिखाती हैं।

दिल्ली में आबादी देह सर्वे शुरू करेगी सरकार: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों से लंबित आबादी देह भूमि की पहचान, स्वामित्व और दस्तावेजी अस्पष्टता को समाप्त करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी पहल की है। अब आबादी देह (गांव की आबादी का क्षेत्र) क्षेत्रों का व्यापक सर्वेक्षण होगा, उनका रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, साथ ही सत्यापन और कंप्यूटरीकरण भी किया जाएगा। दिल्ली सरकार इस विस्तृत प्रक्रिया को कानूनी और प्रशासनिक ढांचे के तहत लागू करने जा रही है। यह पहल न केवल भूमि प्रबंधन प्रणाली को मजबूत बनाएगी, बल्कि ग्रामीणों को स्वामित्व का वैधानिक प्रमाण और वित्तीय सुरक्षा देने में भी निर्णायक भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सरकार ने ग्रामीण आबादी देह क्षेत्रों में संपत्ति स्वामित्व के अधिकारों को सुनिश्चित करने और दशकों पुराने सीमा विवादों को समाप्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2020 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर शुरू की गई स्वामित्व योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली आबादी देह सर्वेक्षण और अभिलेख संचालन नियमावली, 2025' का मसौदा तैयार कर लिया है। इस सरकारी मसौदे में ड्रोन आधारित हवाई सर्वे, मैदानी सत्यापन, सार्वजनिक आपत्ति प्रक्रिया, विवाद निपटान, डिजिटल रिकॉर्ड और संपत्ति कार्ड जारी करने तक की पूरी कार्यप्रणाली को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी व्यक्ति के अधिकारों का हनन न हो और भूमि से जुड़े विवादों का समाधान पारदर्शी, समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से हो सके।

सरकारी प्रावधानों के अनुसार आबादी देह सर्वे की प्रक्रिया राजस्व विभाग के प्रत्यक्ष नियंत्रण में संचालित की जाएगी। सर्वे टीम और तकनीकी एजेंसी संयुक्त रूप से गांवों की आबादी देह, विस्तारित आबादी देह, तथा अन्य अधिसूचित क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए सर्वे कार्य करेंगी। इस प्रक्रिया में ड्रोन और हवाई फोटोग्राफी के माध्यम से डिजिटल डेटा एकत्र किया जाएगा, जिससे प्रत्येक प्लॉट की सटीक स्थिति, आकार और सीमा को रिकॉर्ड किया जा सके। हालांकि तकनीक आधारित सर्वे के साथ-साथ मैदानी सत्यापन अनिवार्य होगा। ड्रोन सर्वे से तैयार किए गए प्रारंभिक नक्शों का मौके पर जाकर सत्यापन किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि नक्शे में दर्शाई गई सीमाएं वास्तविक स्थिति से मेल खाती हैं।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राजस्व विभाग ने अप्रैल 2022 में दिल्ली के 48 ग्रामीण गांवों में स्वामित्व योजना को लागू करने के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अब तक 31 गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण का काम पूरा हो चुका है और 25 गांवों के 'मैप 2.0' की जांच कर उन्हें भारतीय सर्वेक्षण विभाग को सौंप दिया गया है, ताकि जमीन के पार्सल मैप और भू-आधार नंबर जारी किए जा सकें।

सर्वे की प्रारंभिक अवस्था में आबादी देह क्षेत्र की सीमाओं को उपयुक्त माध्यम से भौतिक रूप से चिन्हित किया जाएगा। इस दौरान सर्वे टीम द्वारा संयुक्त स्वामित्व वाली भूमि, निजी प्लॉट, सड़कें, गलियां, नाले, सामुदायिक स्थल, धार्मिक स्थल, कब्रिस्तान, श्मशान, सरकारी संपत्तियां, तथा वे भूमि क्षेत्र जो पेड़ों या संरचनाओं के कारण हवाई सर्वे में स्पष्ट नहीं दिखते, सभी का पृथक-पृथक चिन्हित किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में आवश्यकता पड़ने पर नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), अन्य विभागों और पुलिस प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा, ताकि सर्वे के दौरान किसी प्रकार की बाधा न आए और सीमाओं से छेड़छाड़ न हो सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने आबादी देह अभिलेखों के पूर्ण कंप्यूटरीकरण का निर्णय लिया है। इसके तहत राजस्व विभाग द्वारा एक विशेष डिजिटल पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से आम नागरिक शुल्क के भुगतान पर अपने भूमि अभिलेखों की प्रतियां प्राप्त कर सकेंगे। इस कदम से न केवल रिकॉर्ड की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि पारदर्शिता और सुगमता भी बढ़ेगी। सर्वेक्षण और अभिलेख संचालन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रॉपर्टी कार्ड जारी किए जाएंगे। यह कार्ड भूमि या संपत्ति के स्वामित्व का वैधानिक प्रमाण होगा, जिससे ग्रामीण नागरिकों को बैंक ऋण, वित्तीय सहायता और विकास योजनाओं का लाभ उठाने में सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से आबादी देह क्षेत्रों में सुनियोजित विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। गांवों की विरासत के संरक्षण, नागरिक सुविधाओं के सुधार, भूमि मूल्य में वृद्धि और ग्रामीण ढांचे को शहरी मानकों के अनुरूप विकसित करने में सहायता मिलेगी। साथ ही सीमाओं और स्वामित्व से जुड़े पुराने विवादों का भी समाधान होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे न केवल सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी, बल्कि नागरिकों को अपने अधिकारों को लेकर स्पष्टता और सुरक्षा भी मिलेगी। यह प्रक्रिया दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि प्रबंधन का नया अध्याय लिखने जा रही है, जिसका प्रभाव आने वाले वर्षों तक देखा जाएगा।

प्रदूषण के खतरों के बीच दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रदूषण के खतरों के बीच गाजीपुर लैंडफिल साइट पर शुक्रवार को आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग लगने से आसपास के इलाकों में लोगों को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इसको लेकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि गाजीपुर लैंडफिल साइट पर अगर आग नहीं बुझी तो शाम तक महापौर को इस्तीफा देना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि गाजीपुर लैंडफिल दिल्ली की तीन प्रमुख कचरा साइटों में से एक है, जहां सालों से कचरे का ढेर बढ़ता जा रहा है। विपक्ष एमसीडी पर लैंडफिल प्रबंधन में लापरवाही के आरोप लगाता रहता है, जबकि दिल्ली सरकार का दावा है कि बायो-माइनिंग और अन्य परियोजनाओं से 2026 तक इन साइटों को साफ कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले करीब दो महीने से दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता खराब बनी हुई है। शुक्रवार को अपराह्न 03 बजे दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 376 दर्ज की गयी, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है।

प्रदूषण नियंत्रण के कार्यों का मंत्री इंद्राज ने किया निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शुक्रवार को बवाना स्थित वार्ड-30 में स्वच्छता व्यवस्था और प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़कों, गलियों, सार्वजनिक स्थलों, नालियों, कूड़ा संग्रहण व्यवस्था का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छता बढ़ाने और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर लगातार प्रयास कर रही है। वायु प्रदूषण में कमी लाने के लिए सरकार द्वारा वार्डों में सड़क की सफाई, नियमित पानी का छिड़काव, धूल नियंत्रण, कचरा प्रबंधन को मजबूत करना, खुले में कचरा जलाने पर सख्त कार्रवाई, हरित क्षेत्रों का विस्तार तथा निर्माण स्थलों पर प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कूड़े का समयबद्ध और नियमित उठान सुनिश्चित किया जाए। नालियों की नियमित सफाई कर जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत दें। प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों की नियमित जांच कर मानकों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इंद्राज ने आमजन से भी प्रदूषण नियंत्रण में सक्रिय सहयोग की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली का संकल्प, आमजन के सहयोग से ही पूरा होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि खुले में कचरा या अलाव न जलाएं, वाहनों का नियमित प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र (पीयूसी) बनवाएं, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखें और सरकार द्वारा जारी पर्यावरण से जुड़े दिशानिर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार जनभागीदारी के माध्यम से प्रदूषण-मुक्त, स्वच्छ और स्वस्थ राजधानी की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। समाज कल्याण मंत्री ने बवाना गौशाला से शुरू कर, मुख्य मार्ग स्थित पीडब्ल्यूडी ड्रेन, ईश्वर कॉलोनी और विजय नगर में निरीक्षण के दौरान आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, टाटा पावर एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों के हर कोने तक पहुंचेगी पानी की लाइन : रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों के हर कोने तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। इसके लिए जहां-जहां पुरानी और जर्जर पानी की लाइनें हैं, उन्हें बदला जाएगा और अब तक छूटे रह गए इलाकों में नई पानी की लाइनें बिछाई जाएंगी। समाज कल्याण मंत्री ने शुक्रवार को बवाना की विजय कॉलोनी में पानी की नई लाइनों के बिछाने एवं लगभग 30 वर्ष पुरानी जर्जर लाइनों को बदलने के कार्य का स्थानीय निवासियों के साथ शुभारंभ किया। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ आगामी 31 जनवरी तक पूरा करें। उन्होंने कहा कि लंबे समय से विजय कॉलोनी के निवासियों को गंदे पानी की आपूर्ति और बार-बार पाइपलाइन लीकेज जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद इन समस्याओं का स्थायी समाधान होगा और लगभग 5,000 की आबादी को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि नए वर्ष से क्षेत्र के लोगों को साफ, सुरक्षित और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध होने लगेगा। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलापूर्ति योजनाओं को बनाते समय भविष्य की आवश्यकताओं, जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखा जाए, ताकि आने वाले वर्षों में दोबारा पानी की किल्लत न हो। उन्होंने यह भी कहा कि जल संरक्षण, पाइपलाइन रख-रखाव और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार जनहित से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, सड़क, सीवर और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और ग्रामीण क्षेत्रों, जे जे कॉलोनी एवं कॉलोनियों में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

गांधी नगर की बदहाल स्थिति को लेकर संजय गहलोत ने अरविंदर सिंह लवली को लिखा पत्र, जनता को राहत दिलाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन संजय गहलोत ने यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन अरविंदर सिंह लवली को पत्र लिखकर पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र की गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि गांधी नगर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले अजीत नगर, धर्मपुरा, कैलाश नगर और सीलमपुर जैसे इलाके बुनियादी सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। संजय गहलोत ने पत्र में उल्लेख किया कि उनका स्वयं का निवास अजीत नगर क्षेत्र में है, जिसके चलते वे इन समस्याओं को प्रतिदिन नजदीक से देख और महसूस कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि स्थानीय निवासी रोजाना उनके घर आकर क्षेत्र की परेशानियों से अवगत कराते हैं। हालात यह हैं कि कई घरों तक नालियों का गंदा पानी पहुंच रहा है। क्षेत्र की लगभग सभी नालियां ओवरफ्लो हैं, गलियां और सड़कें बुरी तरह टूट चुकी हैं और पीने के पानी की व्यवस्था लगभग न के बराबर है। मजबूरी में लोगों को रोजाना अपने घरों के लिए पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है। पत्र में संजय गहलोत ने गांधी नगर क्षेत्र की सबसे गंभीर समस्या रेलवे पुलिया को बताया। उन्होंने कहा कि इस पुलिया से रोजाना लाखों लोगों का आवागमन होता है, लेकिन इसकी स्थिति बेहद जर्जर और संकरी है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में इस पुलिया से निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है। ऐसे में यहां एक अतिरिक्त पुलिया का निर्माण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। संजय गहलोत ने कहा कि अरविंदर सिंह लवली को एक विकास पुरुष के रूप में जाना जाता है और वे स्वयं इस क्षेत्र के विधायक भी हैं। इसी विश्वास के साथ उन्होंने यह पत्र लिखकर क्षेत्र की समस्याओं को उनके संज्ञान में लाया है। उन्होंने गांधी नगर के निवासी और दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन होने के नाते जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन से मांग की है कि वे इन ज्वलंत समस्याओं पर शीघ्र संज्ञान लें और क्षेत्र की जनता को राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएं। संजय गहलोत ने उम्मीद जताई कि अरविंदर सिंह लवली गांधी नगर की जनता के साथ न्याय करेंगे और वर्षों से लंबित समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

वायु प्रदूषण दस महीनों में उभरी समस्या नहीं : आशीष सूद

–स्कूलों में 10,000 कक्षाओं में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी (आआपा) नेताओं के वायु प्रदूषण को लेकर आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने दिल्ली सचिवालय में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए कहा कि प्रदूषण कोई मौसमी समस्या नहीं है, न ही यह पिछले 10 महीनों में उभरी है। दिल्ली का अपना कोई मौसम नहीं है, यहां का प्रदूषण काफी हद तक पड़ोसी राज्यों से जुड़ा हुआ है। इसके बावजूद कुछ 'बेरोजगार नेता' सरकार की आलोचना कर रहे हैं।

आशीष सूद नें कहा कि यह सच्चाई किसी से छिपी नहीं है कि पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने प्रदूषण को लेकर जमीनी समाधान देने के बजाय केवल विज्ञापन की राजनीति पर ध्यान दिया। कभी ऑड-ईवन, कभी ÷गाड़ी ऑफ÷ जैसे दिखावटी अभियान चलाए गए, जिनका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि विज्ञापनों तक सीमित इन उपायों के बीच नगर निगमों को समय पर फंड नहीं दिए गए, सफ़ाई कर्मचारियों की अनदेखी की गई और स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर व तकनीकी समाधानों पर गंभीरता से काम नहीं हुआ।

आशीष सूद ने कहा कि आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी सरकार सिर्फ़ संकल्प नहीं बल्कि लगातार ठोस कार्रवाई कर रही है। स्कूलों में बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए 10,000 कक्षाओं में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे। ईवी पालिसी को लागू किया जा रहा है। भलस्वा लैंडफिल को खत्म करने का काम जोरो पर है। नगर निगमों को मज़बूत कर सफ़ाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। सफ़ाई कर्मचारियों के अधिकार, संसाधन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान और केवल आपातकालीन उपाय नहीं, बल्कि लॉन्ग-टर्म और स्थायी समाधान पर काम किया जा रहा है।

आशीष सूद ने कहा कि अगर आआपा वायु प्रदूषण को कम करना चाहते तो उन्होंने सार्वजनिक परिवहन को मजबूत किया होता और आधुनिक मशीनें लगाई होतीं। आआपा ने पिछले 11 सालों में प्रदूषण को कम करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को वेतन तक नहीं दिया। उनके पास विज्ञापनों के लिए पैसा था, लेकिन सार्वजनिक परिवहन के लिए नहीं - यही बात सुप्रीम कोर्ट ने भी कही है।

आशीष सूद ने कहा कि कुछ बेरोजगार नेता हाल ही में कह रहे थे कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रदूषण को कम करने के लिए एक बहुत ही वैज्ञानिक तरीका अपनाया था। केजरीवाल ने ऑड-ईवन योजना अपनाई। इस योजना को लेकर राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने केजरीवाल को फटकार लगाई थी। एनजीटी ने कहा कि आपके पास 100 सुझाव थे, लेकिन आपने हमेशा ऑड-ईवन ही चुना। उन्होंने कहा कि आआपा ने हर समय दिल्ली के प्रदूषण को लेकर केवल राजनीति की है और हमारे सरकार प्रदूषण को खत्म करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है।

प्रदूषण फैलाने वाले 11,776 वाहनों के 24 घंटे में हुए चालान : सिरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई और तेज कर दी है। बीते 24 घंटों में ही विभिन्न विभागों की टीमों ने प्रदूषण फैलाने और नियमों का पालन न करने वाले कुल 11,776 वाहनों पर चालान जारी किए हैं। यह कार्रवाई शहर भर में समन्वित और सख़्त निगरानी के तहत की गई। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए कई स्तरों पर एक साथ काम कर रही है। इसमें वाहनों की जांच, धूल नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और नियमों का सख़्ती से पालन शामिल है। उन्होंने बताया कि इसी समन्वित प्रयास का असर है कि इस साल सर्दियों में वायु गुणवत्ता सूचकांक में पिछले वर्षों की तुलना में थोड़ा सुधार देखने को मिला है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार सिर्फ तात्कालिक कदमों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे साल लागू रहने वाली, वैज्ञानिक आधार पर तैयार नीतियों और स्थायी सुधारों पर लगातार काम कर रही है, ताकि दिल्ली की हवा को लंबे समय तक साफ़ रखा जा सके। शहर की सफाई और धूल नियंत्रण के मोर्चे पर नगर निगम एजेंसियों ने मिलकर 12,164.88 मीट्रिक टन कचरा हटाया। इसके अलावा 2,068.81 किलोमीटर सड़कों की मशीनों से सफाई की गई और 1,830 किलोमीटर सड़कों पर पानी का छिड़काव किया गया। धूल को नियंत्रित करने के लिए 5,528 किलोमीटर क्षेत्र में एंटी-स्मॉग गन का उपयोग किया गया। निर्माण स्थलों पर लगातार धूल नियंत्रण के लिए 160 एंटी-स्मॉग गन तैनात की गई हैं। कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले 24 घंटों में औसतन 30,000 मीट्रिक टन से अधिक पुराने कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया गया। जनता से जुड़े मामलों में भी तेज़ी दिखाई गई और 311, ग्रीन दिल्ली ऐप, समीर और सोशल मीडिया के माध्यम से मिली 57 शिकायतों का समाधान किया गया। नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए 542 गैर-निर्धारित मार्गों पर चल रहे ट्रकों को रोका गया और वापस भेजा गया। साथ ही, शहर के 34 प्रमुख ट्रैफिक जाम वाले स्थानों पर यातायात को सुगम किया गया। सिरसा ने नागरिकों, संस्थानों और वाहन चालकों से सरकार के प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ यह लड़ाई केवल सरकार की नहीं है। सभी विभाग दिन-रात सतर्क हैं, लेकिन दिल्ली को साफ़ हवा देने के लिए जनता का सहयोग भी उतना ही ज़रूरी है।

दिल्ली में 'ठक-ठक' गैंग का एक सदस्य गिरफ्तार, एक करोड़ के गहने बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्राइम ब्रांच की टीम ने ÷ठक-ठक÷ गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है, जिसने करोल बाग पुलिस स्टेशन इलाके में खड़ी कार का शीशा तोड़कर लगभग एक करोड़ रुपये के गहने चुराए थे। आरोपी की पहचान तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के टी. सरथ कुमार उर्फ सरथ कुमार के रूप में हुई है। उसके पास से 35 लाख रुपये के गहने बरामद किए गए हैं। वह कमला मार्केट, कनॉट प्लेस और लाहौरी गेट पुलिस स्टेशनों में दर्ज चार चोरी के मामलों में घोषित अपराधी था और कुख्यात ठक-ठक गैंग का सक्रिय सदस्य था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और गैंग में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त, क्राइम ब्रांच, संजीव कुमार यादव के अनुसार, 14 नवंबर को गहनों के कारोबारी शुभम कोटावाला ने टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन के बाद करोल बाग में आईजीआई (इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट) लैब से 62 गहने और उनके ग्रेडिंग सर्टिफिकेट लिए थे। गहने लेने के बाद, उन्होंने उन्हें दुर्गा पार्क के पास सड़क किनारे खड़ी अपनी कार में एक बैग में रखा और कुछ काम से चले गए। कुछ देर बाद लौटने पर उन्होंने देखा कि कार का शीशा टूटा हुआ था और गहनों वाला बैग गायब था। उनकी शिकायत पर करोल बाग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

इसके बाद मामला क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया और एसीपी पंकज अरोड़ा की देखरेख में इंस्पेक्टर अमित कुमार सोलंकी के नेतृत्व में मामले को सुलझाने के लिए एक टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे 100 से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिससे उन्हें तमिलनाडु के त्रिची (तिरुचिरापल्ली) के गैंग सदस्यों की संलिप्तता के बारे में कुछ सुराग मिले। इसके बाद टीम ने तिरुचिरापल्ली के उन गैंग सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जो पहले दिल्ली में इसी तरह के अपराधों में शामिल थे। गोपनीय जानकारी के आधार पर, उनमें से एक की पहचान टी. सरथ कुमार के रूप में हुई। इस जानकारी के आधार पर, 15 दिसंबर को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन इलाके के पास जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया गया। यह गैंग तमिलनाडु से दिल्ली और अन्य राज्यों में अपराध करने आता था।

पूछताछ के दौरान, आरोपी ने बताया कि गैंग के सदस्य आमतौर पर तमिलनाडु से ट्रेन से दिल्ली, एनसीआर और अन्य राज्यों में आते हैं। वे बाजारों के पास खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाते हैं, खासकर गहनों के बाजारों के पास, और अंदर रखे बैग ढूंढते हैं। वह एक आदतन अपराधी है और दिल्ली के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में उसके खिलाफ पहले से ही आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डॉ. बिलाल की हिरासत बढ़ी, सोएब को जेल भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास हुए धमाके के मामले में अदालत ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी डॉ. बिलाल नसीर मल्ला की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रिमांड सात दिन के लिए बढ़ा दी। वहीं, फरीदाबाद निवासी सोएब को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दोनों को पिछली चार दिन की एनआईए रिमांड समाप्त होने पर कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस कोर्ट परिसर स्थित प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में पेश किया गया। सुरक्षा कारणों से मीडिया को कार्यवाही में शामिल नहीं होने दिया गया। एनआईए के अनुसार, सोएब पर आतंकी उमर-उन-नबी को पनाह देने और हमले से पहले उसकी मदद करने का आरोप है। एजेंसी ने बताया कि 9 दिसंबर को डॉ. नसीर बिलाल मल्ला को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था और उसे साजिश का प्रमुख आरोपी बताया गया है। जांच में सामने आया है कि नसीर ने जानबूझकर उमर-उन-नबी को लॉजिस्टिक सपोर्ट उपलब्ध कराया और उसे ठहराने में मदद की। इसके अलावा उस पर हमले से जुड़े साक्ष्य नष्ट करने के भी आरोप हैं। एनआईए इस मामले में अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें तीन डॉक्टर डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राथर और डॉ. शाहीन सईद साथ ही धार्मिक उपदेशक मौलवी इरफान शामिल हैं। इसके अलावा आमिर राशिद अली और जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। 18 दिसंबर को एनआईए ने नौवें आरोपी यासिर अहमद डार को गिरफ्तार किया, जो जम्मू-कश्मीर का निवासी है और कथित तौर पर उमर-उन-नबी का करीबी बताया जा रहा है। एजेंसी के मुताबिक, डार ने साजिश में सक्रिय भूमिका निभाई और कथित रूप से आत्मघाती ऑपरेशन करने की कसम खाई थी। जांच में यह भी सामने आया है कि 10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुआ धमाका विस्फोटक से भरी एक आई-20 कार में हुआ, जिसे उमर-उन-नबी चला रहा था। एनआईए का कहना है कि साजिश की कड़ियों को जोड़ते हुए आगे की जांच तेज कर दी गई है।

नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की हाई कोर्ट में अपील, सोनिया और राहुल गांधी की बढ़ीं कानूनी मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। एजेंसी ने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ दाखिल शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय की इस अपील के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है और कांग्रेस नेतृत्व की कानूनी चुनौतियां बढ़ती नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि सोलह दिसंबर दो हजार पच्चीस को राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की शिकायत को अवैध ठहराते हुए कहा था कि यह मामला किसी मूल अपराध की प्राथमिकी पर आधारित नहीं है, बल्कि एक निजी शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि धन शोधन निवारण कानून के तहत जांच के लिए प्राथमिकी का होना अनिवार्य है। प्रवर्तन निदेशालय ने निचली अदालत के इस निष्कर्ष को गलत बताते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर की है। एजेंसी का कहना है कि अदालत ने तथ्यों और कानून की सही व्याख्या नहीं की और शिकायत पर आगे की कार्रवाई होनी चाहिए थी। निदेशालय ने यह भी संकेत दिया है कि दिल्ली पुलिस द्वारा हाल ही में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर नई शिकायत अथवा आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी की जा रही है। यह मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ी संपत्तियों के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि इन लेनदेन के माध्यम से धन शोधन किया गया, जबकि कांग्रेस पार्टी लगातार इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताती रही है। अब इस पूरे मामले पर दिल्ली उच्च न्यायालय में सुनवाई होगी। अदालत के समक्ष यह तय होगा कि निचली अदालत का आदेश सही था या नहीं और क्या प्रवर्तन निदेशालय की शिकायत पर दोबारा विचार किया जाना चाहिए। राजनीतिक और कानूनी दोनों दृष्टि से अहम माने जा रहे इस मामले पर सभी की नजरें उच्च न्यायालय के फैसले पर टिकी हैं।

सांसद खेल महोत्सव के फाइनल में मलका गंज ने मारी बाज़ी, नंद नगरी को हराकर जीती प्रतियोगिता

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी द्वारा आयोजित सांसद खेल महोत्सव का फाइनल मुकाबला खजूरी चौक स्थित डीडीए मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ। फाइनल मैच में मलका गंज और नंद नगरी वार्ड की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमें मलका गंज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता अपने नाम कर ली।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में विजेता टीम मलका गंज को दो लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। उपविजेता नंद नगरी टीम को एक लाख रुपये, जबकि तीसरे स्थान पर रही दयालपुर की टीम को पच्चीस हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए फाइनल मैच के अवसर पर सांसद मनोज तिवारी अपनी पत्नी सुरभि तिवारी के साथ मैदान में मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, यमुनापार विकास बोर्ड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, डीडीसीए निदेशक प्रवेश शर्मा, नीलकांत बक्शी, जिला अध्यक्ष डॉ. यू.के. चौधरी, विधायक अजय महावर, जितेंद्र महाजन, विनोद कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर की विशेष बात यह रही कि क्षेत्र के एक सम्मानित श्रमिक, जूते की मरम्मत करने वाले बिजेंदर राम मोची को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उनके कर-कमलों से प्रतियोगिता की ट्रॉफी का अनावरण कराया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारी संजीव चौधरी, बीरेंद्र खंडेलवाल, कृष्णा चौबे, दीपक चौहान, आनंद त्रिवेदी, अनुपम पांडे सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, पार्षद और सामाजिक कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सांसद मनोज तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत क्रिकेट से पहले कबड्डी प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी है और अब जूडो-कराटे सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि संसदीय क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

मुख्य अतिथि के रूप में एक श्रमिक को सम्मानित करने पर मनोज तिवारी ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास और सबका सम्मान' की भावना को जमीन पर उतारने का प्रयास है, ताकि समाज के हर वर्ग को समान सम्मान मिल सके।

प्रतियोगिता के मीडिया प्रभारी आनंद त्रिवेदी ने बताया कि फाइनल मुकाबले में मलका गंज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दस ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 105 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने

उतरी नंद नगरी टीम दस ओवर में आठ विकेट खोकर 92 रन ही बना सकी। इस तरह मलका गंज की टीम ने तेरह रन से मुकाबला जीतकर सांसद खेल महोत्सव की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

फाइनल मुकाबले के साथ ही सांसद खेल महोत्सव का यह चरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसने क्षेत्र में खेल भावना और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

गोडसे को पूजने वाली भाजपा गांधीजी के साथ रामजी को भी दे रही धोखा: अजय उपाध्याय

● मनरेगा में बदलाव करके सरकार ने इस योजना की हत्या कर दी: राव नरेंद्र सिंह ● मनरेगा का नाम ही नहीं बदला इस योजना से लाखों गरीबों को वंचित कर दिया है

-पहले रोजगार की गारंटी देती थी यह योजना, अब गारंटी से बाहर कर दी योजना

-21 दिसंबर 2025 रविवार को हरियाणा में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

-गुड़गांव कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में दी अहम जानकारी

संवाददाता

गुरुग्राम। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय उपाध्याय ने कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर राम जी का नाम करने वाली भाजपा सरकार ने देश के गरीबों, मजदूरों पर अत्याचार करने का काम किया है। गोडसे को पूजने वाली भाजपा गांधीजी के साथ रामजी को भी धोखा दे रही है। क्योंकि ना तो गांधीजी गरीबों के विरोधी थे और ना ही रामजी। उन्होंने देश, समाज के अंतिम व्यक्ति तक के उत्थान के लिए काम किया, भाजपा अंतिम व्यक्ति तक को प्रताड़ित करने का काम करक रही है।

यह बात उन्होंने यहां कमान सराय स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कही। इस दौरान हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एचपीसीसी) के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की भी गरिमामयी मौजूदगी रही। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर, जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) वर्धन यादव ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मीडिया इंचार्ज संजीव भारद्वाज, मोहित ग्रोवर, पर्ल चौधरी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने भी भाजपा की गरीब विरोधी नीतियों को उजागर किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय उपाध्याय ने कहा कि देश में पिछले 12-13 साल से गांधी परिवार, कांग्रेस पार्टी पर हमले कर रही है। उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले की जिक्र करते हुए कहा कि राजनीतिक द्वेष की भावना से भाजपा ने कांग्रेस के बड़े नेताओं को परेशान करने की काम किया है, जबकि सुप्रीमकोर्ट में नेशनल हेराल्ड मामले में यह साफ हो गया है कि जो षडयंत्र भाजपा ने रचा वह झूठ की बुनियाद पर रचा गया। उसमें किसी तरह की कोई सच्चाई

सामने नहीं आई। अजय उपाध्याय ने कहा कि ईडी, सीबीआई का दुरुपयोग करके कांग्रेस को प्रताड़ित करने का काम करती रहती है।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से देश के लाखों, करोड़ों मजदूरों को रोजगार की गारंटी कांग्रेस सरकार ने दी थी। यह भाजपा को रास नहीं आया। भाजपा ने अपना गरीब, मजदूर विरोधी चेहरा उजागर करते हुए इस योजना को खत्म करने का काम किया। उन्होंने कहा कि योजना का सिर्फ नाम ही नहीं बदला गया, बल्कि इसका स्वरूप भी बदल दिया गया है। योजना में बदलाव के बाद अब रोजगार की गारंटी खत्म हो गई है। पहले मजदूर को 15 दिन में सरकार द्वारा रोजगार देना पड़ता था, यह मौलिक अधिकार था। भाजपा ने 2014 में मनरेगा योजना का मजाक उड़ाया था, जबकि नीति आयोग ने इस योजना की सराहना की थी। क्योंकि देश के करोड़ों मजदूरों को दो वक्त की रोटी इस योजना से मिल रही थी। इस योजना से ग्रामीण भारत की तस्वीर और तकदीर बदली। साथ ही केंद्र सरकार ने राज्यों पर इस योजना का बोझ डाल दिया है। गांव, ग्रामीण स्तर पर इस योजना में जिस तरह से काम होते थे, अब वे सीधे केंद्र की ओर से नियंत्रित होंगें। राज्यों को इस योजना का खर्च वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी राज्य का इतना बजट नहीं होता कि वह इस योजना को आगे बढ़ा सके, इसलिए सीधे तौर पर नुकसान गरीबों का ही होना तय है। उपाध्याय ने कहा कि भाजपा सरकार ने कभी बजट ना देकर तो कभी डिजिटल करने के नाम पर गरीबों को दुखी करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यह देश पूरी दुनिया में गांधीजी के नाम से जाना जाता है। देश के गरीब गांधीजी, रामजी की संतानें हैं। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित करके भाजपा ना गांधीजी को सम्मान दे रही और ना ही रामजी को। उन्होंने कहा कि देश के गरीबों को मारने की यह स्कीम है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने नरेगा नाम से इस योजना में गांधी जी का नाम जोडक़र मनरेगा किया था, लेकिन भाजपा ने गांधीजी के नाम को हटाकर अपनी मंशा साफ कर दी है कि वह गोडसे को मानती है।

गांधी परिवार को निशाना बनाने के षडयंत्र करती है भाजपा: राव नरेंद्र सिंह

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने पत्रकार वार्ता में कहा कि देश के गरीबों को मनरेगा का लाभ मिलता था। महंगाई के दौर में भाजपा सरकार द्वारा गरीबों की मजदूरी बढ़ाना तो दूर, उनकी मजदूरी के हक को ही छीन लिया। मनरेगा योजना को नाम बदलने के नाम पर खत्म कर दिया। बदलाव करके इस योजना की हत्या कर दी गई है। सारे विपक्ष के नेताओं ने मनरेगा में बदलाव का विरोध किया और भाजपा की सरकार ने जल्दबाजी में बदलाव के कानून को पास कर दिया। अच्छा होता पहले इसे चर्चा में लाया जाता। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि मनरेगा में बदलाव के विरोध में आगामी 21 दिसंबर 2025 रविवार को पूरे हरियाणा में जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस की ओर से विरोध प्रदर्शन करके सरकार की गरीब विरोधी नीतियों से जनता को अवगत कराया जाएगा। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह तो साफ है कि भाजपा सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। गांधी परिवार और विपक्ष को निशाना बनाने के षडयंत्र करती रहती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से देश के किसानों को लडक़र, आंदोलन करके काले कृषि कानून खत्म कराए थे, उसी तरह से गरीब, मजदूरों को भी सरकार से लडक़र मनरेगा में बदलाव के कानून को खत्म करवाना होगा। इसके लिए कांग्रेस देश के आम और गरीब आदमी के साथ मिलकर काम करेगी।

सोहना खंड के रायपुर गांव के पशुओं में फैली मुंह-खुर की बीमारी

ग्रामीणों ने सरकारी डॉक्टर्स पर लगाया लापरवाही का आरोप

संवाददाता

गुरुग्राम। जिला के खंड सोहना के गांव रायपुर गांव के पशुओं में मुंह-खुर की बीमारी फैली हुई है। इस बीमारी को लेकर सरकारी पशु अस्पताल के डॉक्टर गंभीर नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस बीमारी में सरकारी अस्पताल की ओर से लापरवाही बरती जा रही है, जो कि पशुओं व पशु पालकों के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। इससे पशु पालकों में रोष है। क्षेत्र के पार्षद साहिल की भैंस भी इस बीमारी की चपेट में आ गई है। इस संबंध में सोहना पशु अस्पताल में डॉक्टर से संपर्क किया गया तो उनसे बात नहीं हो पाई। मुंह-खुर के रोग में पशुओं को तेज बुखार आता है। बीमार पशु के मुंह, मसूड़े, जीभ के ऊपर नीचे होंठ के अन्दर का भाग, खुरों के बीच की जगह पर छोटे-छोटे दाने से हो जाते हैं। ये

दाने आपस में मिलकर बड़ा छाला बनाते हैं। कुछ समय में यह छाले गहरे जख्म का रूप ले लेते हैं। ऐसे में पशु जुगाली करना बंद कर देते हैं। मुंह से लार गिरती है। साथ ही पशु सुस्त पड़ जाते हैं। खाना, पीना छोड़ देते हैं। पशुओं के खुर में जख्म होने की वजह से पशु ठीक से चल भी नहीं पाते। पैरों के जख्मों में जब कीचड़ व मिट्टी लगती है तो उनमें कीड़े भी हो जाते हैं। इस दौरान दर्द के चलते पशु ठीक से चल भी नहीं पाते। दूध देने वाले पशुओं का दूध भी कम हो जाता है। साथ ही वे कमजोर होने लगते हैं। समय व सही इलाज होने पर पशुओं के मुंह, खुर के छाले और जख्म तो भर जाते हैं, मगर संकर पशुओं में यह रोग कभी-कभी मौत का कारण भी बन सकता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सरकार इस संबंध में पशु चिकित्सकों को बीमार पशुओं का जिम्मेदारी के साथ इलाज करने के आदेश करे। अगर डॉक्टर सही समय पर इलाज नहीं करते हैं तो पशुधन की हानि होगी।

19वां मेला श्री श्याम धनी सरकार की गौशाला ग्राउंड में हो रही भव्य तैयारियां

शनिवार शाम 7 बजे से होगी गुरुग्राम संकीर्तन महोत्सव 2025 की शुरुआत

संवाददाता

गुरुग्राम। 19वां मेला श्री श्याम धनी सरकार का गुरुग्राम संकीर्तन महोत्सव 2025 की यहां गौशाला मैदान में भव्य तैयारियां की जा रही हैं। 20 दिसंबर शनिवार की शाम 7 बजे से संकीर्तन महोत्सव शुरू होगा। इसके लिए गौशाला मैदान से लेकर आसपास के करीब एक किलोमीटर के क्षेत्र को रंग-बिरंगी बिजली की लडियों से सजाया गया है।

श्री श्याम बजरंग परिवार संघ गुरुग्राम एवं श्री श्याम परिवार फाउंडेशन की ओर से यह 19वां मेला श्री श्याम धनी सरकार का गुरुग्राम संकीर्तन महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। 20 दिसंबर शनिवार शाम 7 बजे से इसकी शुरुआत होगी। श्री श्याम बजरंग परिवार संघ से पुनील अग्रवाल ने बताया कि बस अड्डे के सामने ओल्ड दिल्ली रोड स्थित गौशाला मैदान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में वृंदावन बरसाना से बृज रसिका पूनम दीदी अपने मुखारबिंद से सुरीली भजनों से बाबा का गुणगान करेंगीं। म्यूजिकल ग्रुप नरेश पूनिया का होगा। दिल्ली से आरती शर्मा, गुरुग्राम से शुभम ठाकरान व कोलकाता से सौरभ शर्मा भी यहां भजनों से भक्तों को निहाल करेंगें।

पुनीत अग्रवाल ने गुरुग्राम के धर्म प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस धार्मिक महाकुंभ में पहुंचकर बाबा श्याम का आशीर्वाद लें।

गुड़गांव व्यापार मंडल की ओर से शिविर में 50 यूनिट रक्तदान, 200 मरीजों की जांच

संकट मोचन धाम मंदिर परिसर सदर बाजार में लगाया गया शिविर

● गुड़गांव व्यापार मंडल की ओर से दवाइयां निशुल्क दी गई

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां सदर बाजार स्थित संकट मोचन धाम मंदिर परिसर में शुक्रवार को गुड़गांव व्यापार मंडल की ओर से रक्तदान व स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में लायंस क्लब गुड़गांव ने रक्त संग्रहित किया। पारस अस्पताल की ओर से स्वास्थ्य जांच की गई। जैन डायगनोस्टिक की टीम ने जांच की सेंवाएं दीं। शिविर को सुचारू रूप से संचालित कराने में नरेश बंसल, विक्की बंसल, राजू, दिनेश गुप्ता कई सहयोगियों ने सेवाएं दीं।

गुड़गांव व्यापार मंडल के प्रधान रोशन लाल मंगला ने बताया कि शिविर सुबह से ही शुरू हो गया था। बाजार में शिविर लगा होने के दौरान यहां राह चलते लोगों ने भी अपनी स्वास्थ्य जांच कराई और आसपास रहने वाले लोग भी शिविर में पहुंचे। लोगों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। इस दौरान 50 यूनिट रक्तदान हुआ और 200 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। स्वास्थ्य जांच के बाद गुड़गांव व्यापार मंडल की ओर से निशुल्क दवाइयां दी गई। सभी रक्तदाताओं को रक्तदान के बाद सम्मानित किया गया। रोशन लाल मंगला ने कहा कि गुड़गांव व्यापार मंडल अपनी सामाजिक भूमिका और दायित्वों की पूर्ति करने के लिए भी सदा आगे रहता है। मंडल ने समय-समय पर जनसेवा के कार्यों को करते हुए समाज के लोगों को लाभ दिया है।

यह संगठन सिर्फ व्यापारियों के लिए ही नहीं है बल्कि जनसेवा के लिए भी है। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल से जुड़े सभी सदस्य समाजसेवा में सदैव अग्रणी रहते हैं। व्यापारियों के हितों की बात हो या समाज के हित की बात हो, व्यापार मंडल ने हमेशा एकता दिखाते हुए काम किया है।

डेरा सच्चा सौदा में 34वें फ्री आई कैंप में 480 नेत्र रोगियों को मिली नेत्र ज्योति

चार दिनों तक 15465 मरीजों की आंखों की जांच हुई

एजेंसी

सिरसा। पूज्य गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां की पावन प्रेरणा से शाह सतनाम-शाह मस्ताना जी धाम, डेरा सच्चा सौदा सिरसा में परम पिता शाह सतनाम जी महाराज की पावन स्मृति में आयोजित 34वें याद-ए-मुर्शिद परम पिता शाह सतनाम जी महाराज फ्री आई कैंप ने हजारों नेत्र रोगियों के जीवन में रोशनी लौटाने का कार्य किया।

इस मेगा आई कैंप के तहत शाह सतनाम-शाह मस्ताना जी धाम,डेरा सच्चा सौदा सिरसा में चार दिनों तक चली जांच प्रक्रिया के दौरान 15,465 मरीजों की आंखों की जांच की गई। इनमें से 480 मरीजों के सफेद व काले मोतिया के सफल ऑपरेशन किए गए। ऑपरेशन के पश्चात सभी मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर उनके घर भेज दिया गया है। कैंप के दौरान 1,453 पुरुष व 2,116 महिला मरीजों को निःशुल्क चश्में, जबकि 4,871 पुरुष व 5,018 महिला मरीजों को निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गई। ऑपरेशन के बाद मरीजों को आंखों की उचित देखभाल संबंधी आवश्यक हिदायतें भी दी गईं।

इस विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर में देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों व संस्थानों से आए 129 प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञों (80 पुरुष व 49 महिला) ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने अस्पताल में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं और सुव्यवस्थित प्रबंधन की मुक्त कंठ से सराहना की। कैंप को सफल बनाने में शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर कमेटी के हजारों महिला व पुरुष सेवादारों ने दिन-रात निस्वार्थ सेवा की। वहीं शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य सहयोगी कर्मचारियों ने प्रतिदिन 12 से 15 घंटे सेवा देकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कैंप में पहुंचे मरीजों व उनके तीमारदारों ने भी व्यवस्थाओं और सेवादारों की सेवा भावना की जमकर प्रशंसा की। सभी ने एक स्वर में कहा कि डेरा सच्चा सौदा की सेवा भावना वास्तव में अद्वितीय और प्रेरणादायक है। शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल के सीएमओ डा. गौरव अग्रवाल इन्सां ने बताया कि 34वें याद-ए-मुर्शिद फ्री आई कैंप के अंतर्गत ऑपरेशन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है।

रेत पर उकेरी गई गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की अमर कहानी

वीर बाल दिवस पर सुशांत लोक के राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में हुआ सैंड आर्ट शो

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की पहल के अंतर्गत श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबज़ादों के अद्वितीय बलिदान और वीरता के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला स्तर पर विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य पर गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुशांत लोक के परिसर में सैंड आर्ट शो एवं जिला स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एन.एस.बी. प्रोडक्शन से जुड़े सैंड आर्टिस्ट सर्वम पटेल द्वारा रेत कला के माध्यम से चारों साहिबजादों के शौर्य, त्याग और बलिदान से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों का प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण किया गया। विशाल स्क्रीन पर उकेरे गए दृश्यों ने विद्यार्थियों को साहिबजादों के संघर्षपूर्ण जीवन और उनके अदम्य साहस से परिचित कराया। सैंड आर्ट शो में खालसा पंथ की स्थापना के बाद की ऐतिहासिक घटनाओं, मुगल सत्ता के साथ संघर्ष, 1705 के युद्ध प्रसंग, गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा आनंदपुर साहिब त्यागने, सरसा नदी पर परिवार के बिछुड़ने तथा माता गुजरी और छोटे साहिबजादों की गिरफ्तारी जैसे मार्मिक क्षणों को रेत कला के माध्यम से जीवंत किया गया। प्रस्तुतिकरण ने उपस्थित दर्शकों को भावनात्मक रूप से गहराई से जोड़ दिया। इसके साथ ही वीर बाल दिवस की थीम पर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में इतिहास के प्रति जागरूकता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदु बोकन, खंड शिक्षा अधिकारी सुदेश राघव, गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुशांत लोक से प्रिंसिपल पूनम यादव, वाइस प्रिंसिपल सुनील, जिला शिक्षा विभाग से कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं खोह स्थित गवर्नमेंट स्कूल से प्रिंसिपल संगीता सहित संबंधित स्कूलों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेक्टर-15 पार्ट-2 में सुन्दर काण्ड एवं संकीर्तन रसधारा कार्यक्रम आज

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-15 पार्ट-2 के कम्युनिटी सेंटर में शनिवार को सुन्दर काण्ड एवं संकीर्तन रसधारा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शाम पांच बजे से इसकी शुरुआत होगी। निगम पार्षद आशीष गुप्ता ने बताया कि सुण्दर काण्ड एवं संकीर्तन रसधारा में भजनों की रसधार बहेगी। शाम पांच बजे से रात्रि आठ बजे तक यह धार्मिक कार्यक्रम चलेगा, जिसमें लोग शिरकत करके बाबा का आशीर्वाद लेंगें। आशीष गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित इस आयोजन में शिरकत करें।

शाम पांच बजे से होगी कार्यक्रम की शुरुआत

भारत-अमेरिका संबंधों के नए स्वर, शांति, स्थिरता और रणनीतिक संतुलन की ओर

कांतिलाल मांडोत

मोदी-ट्रंप वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-अमेरिका संबंध आज केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं। वे एक गहन, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी के द्वार पर खड़े हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के समाधान से लेकर व्यापार, रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्रों में नवीन सहयोग हर स्तर पर यह रिश्ता नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य रणनीतिक सहयोगी बनेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में हुई उच्च स्तरीय वार्ता ने वैश्विक राजनीति में एक नया संदेश दिया है।संवाद ही वह सेतु है जो किसी भी जटिल द्विपक्षीय रिश्ते को संतुलन और स्थिरता की ओर ले जाता है। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य, वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव और सामरिक चुनौतियों के बीच दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत न केवल समयोचित थी बल्कि भविष्य की साझेदारी के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण भी प्रकट करती है। लंबे समय से चले आ रहे विवाद, खासकर व्यापार और टैरिफ से जुड़े मुद्दे, धीरे-धीरे नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। भारत के लिए यह बातचीत एक भरोसेमंद संकेत है कि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से दो देश फिर से सामरिक और आर्थिक तालमेल की ओर लौट रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर बताया कि यह वार्ता महत्वपूर्ण और सौहार्दपूर्णर ही। इस कथन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों पक्षों ने विवादित मुद्दों से आगे बढ़कर उन क्षेत्रों पर अधिक जोर दिया जिनमें सहयोग की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं।जैसे रक्षा, ऊर्जा, सैन्य नवाचार, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य और सुरक्षा। बीते कुछ वर्षों में व्यापारिक टकराव, विशेषकर टैरिफ की नीति, भारत-अमेरिका संबंधों में एक बड़ी बाधा थी। अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों को लेकर कई बार तनाव की स्थिति बनी। किंतु वास्तविकता यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था इतनी विविध, लचीली और मजबूत हो चुकी है कि इन टैरिफ का प्रभाव सीमित रहा। दूसरी ओर, अमेरिका को यह समझ आ गया कि कठोर व्यापारिक नियमों से वह भारत जैसे तेजी से उभरते साझेदार को केवल असहज कर रहा है, लाभ नहीं। इसलिए, जैसे-जैसे वार्ता आगे बढ़ी, टैरिफ का भूत धीरे-धीरे समाप्त होता दिखा।

इस संवाद का सबसे बड़ा संदेश यह है कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत और अमेरिका केवल सहयोग करने की इच्छा नहीं बल्कि व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता रखते हैं। दोनों देशों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में उभर रही साझा चुनौतियाँ,चाहे वह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा हो, उभरती तकनीकों का भविष्य हो, या ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु संबंधी मुद्दे।इन सब पर संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। यह समझ इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श को आकार देने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि दोनों देशों ने अपने रणनीतिक हितों के प्रति स्पष्टता बरतते हुए व्यापारिक रिश्तों को नई ऊर्जा देने की आवश्यकता को स्वीकार किया। भारत में मौजूद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि पहले ही अंतिम प्रस्ताव वॉशिंगटन भेज चुके हैं और अब समझौते का निर्णय राजनीतिक स्तर पर लिया जाना है। यह संकेत देता है कि आने वाले महीनों में दोनों देश एक बड़े व्यापारिक समझौते के करीब पहुँच सकते हैं। मुद्दों को टालने या कठोर रुख अपनाने की बजाय संवाद द्वारा रास्ता खोजने का यह सकारात्मक संकेत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी आश्वस्तकारी है।

अमेरिका द्वारा लॉन्च किया गया 9 करोड़ का गोल्ड कार्ड भी दोनों देशों के रिश्तों में एक नया आयाम जोड़ता है। यह स्थायी निवास और निवेश के अवसरों को जोड़ने का प्रयास है, लेकिन इसकी अत्यधिक लागत इसे आम लोगों के लिए कठिन बनाती है। इसके अलावा, यह भी तथ्य है कि अमेरिका कभी भी किसी कार्डधारक का स्टेटस बदल सकता है, जिससे यह नीति अस्थिरता का संकेत भी देती है। भारत के लिए चुनौती यह है कि हजारों एच-1बी वीजा आवेदकों के इंटरव्यू अचानक महीनों के लिए टाल दिए गए हैं। इससे अमेरिकी नीतियों की अनिश्चितता उजागर होती है। अमेरिका के भीतर भी इस गोल्ड कार्ड योजना का विरोध जारी है, क्योंकि इसे अमेरिका के हितों के विरुद्ध और कुछ देशों को अनावश्यक रूप से अलग-थलग करने वाला कदम माना जा रहा है।

यह भी तथ्य है कि कई विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका अपने कठोर और बदलते नियमों के माध्यम से भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिक तरक्की पर किसी न किसी रूप में अंकुश लगाने की कोशिश करता है। लेकिन यह आकलन भी उतना ही सही है कि भारत अब ऐसी नीतियों के दबाव में नहीं आने वाला। भारत की वैश्विक स्थिति जितनी मजबूत हुई है, उतनी ही उसकी क्षमता बढ़ी है कि वह समानता और सम्मान के आधार पर साझेदारी को आगे बढ़ाए। यही कारण है कि इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने टैरिफ का मुद्दा उठाने की आवश्यकता तक महसूस नहीं की।क्योंकि भारत का आत्मविश्वास अब किसी रक्षात्मक मुद्रा का मोहताज नहीं रहा।

इस पूरे संवाद का व्यापक संदर्भ यह है कि दुनिया अनेक मोर्चों पर तनाव की स्थिति से गुजर रही है।यूरोप और मध्यपूर्व में संघर्ष, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन, और आर्थिक अनिश्चितताएँ। ऐसी परिस्थितियों में भारत-अमेरिका संबंधों की स्थिरता न केवल दोनों देशों बल्कि पूरे विश्व के लिए आवश्यक है। एक तरफ अमेरिका अपनी वैश्विक भूमिका को पुनर्संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, तो दूसरी ओर भारत एक उभरती शक्ति के रूप में वैश्विक नेतृत्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका स्थापित कर चुका है। इस संतुलन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए संवाद और सहयोग ही सबसे प्रभावी साधन हैं।

इस बातचीत से यह भी प्रतीत होता है कि दोनों देश भविष्य में सैन्य और सुरक्षा साझेदारी को और सुदृढ़ करेंगे। 21वीं सदी की रक्षा तकनीक चाहे वह साइबर सुरक्षा हो, स्पेस सिक्योरिटी, एआई आधारित सैन्य प्रणालियाँ, या समुद्री सुरक्षा,इन सभी क्षेत्रों में भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक मानक तय करने में सक्षम हैं। यह सहयोग न केवल एक-दूसरे के हितों की रक्षा करेगा बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति में भी योगदान देगा।

अमेरिका द्वारा भारत को दबाने की कोशिश का दौर अब बीतता दिख रहा है। दुनिया जानती है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। यही कारण है कि इस वार्ता के परिणाम में अमेरिका खुद एक अधिक सम्मानजनक, विनम्र और वास्तविक साझेदार के रूप में सामने आया। भारत के साथ संबंधों को गहराने की अमेरिका की इच्छा केवल रणनीतिक आवश्यकता नहीं बल्कि व्यावहारिक अनिवार्यता बन चुकी है।

इन सबके बीच यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश जैसे मैक्सिको भी नई परिस्थितियों में अपने आर्थिक हितों के लिए कठोर टैरिफ नीतियाँ अपनाने की बात कर रहे हैं। यह विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती नई प्रतिस्पर्धा को दशार्ता है। ऐसे समय में भारत को न केवल अमेरिका बल्कि अन्य साझेदारों के साथ भी अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सजग रहना होगा। आने वाले समय में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होगी।

अंततः मोदी-ट्रंप वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-अमेरिका संबंध आज केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं। वे एक गहन, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी के द्वार पर खड़े हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के समाधान से लेकर व्यापार, रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्रों में नवीन सहयोग हर स्तर पर यह रिश्ता नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य रणनीतिक सहयोगी बनेंगे। भारत की बढ़ती शक्ति, आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व क्षमता ने उसे वह स्थान दिलाया है जहाँ कोई भी राष्ट्र उसे दबा नहीं सकता।संवाद ही एकमात्र रास्ता है। यही इस वार्ता का सार है और यही भविष्य के भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा तय करेगा।

संपादकीय

मनरेगा अब 'जी राम जी'

शुक्रवार, 19 दिसंबर, संसद के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन है। सरकार का प्रयास रहेगा कि मनरेगा का वैकल्पिक बिल ह्यविकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)ह्ल दोनों सदनों में पारित हो जाए, ताकि राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद इसे कानून के तौर पर अधिसूचित किया जा सके। नए बिल को संक्षेप में ह्यजी-राम-जीह्ल कहा जा रहा है। शायद इसीलिए हिंदी और अंग्रेजी के शब्दों की खिचड़ी बनाई गई है। इसे भाजपा की ह्यरामवादी राजनीतिह्ल से जोड़ कर भी देखा जा रहा है। यह मानसिकता का संकरापन है। बुनियादी चिंता और सरोकार यह होना चाहिए कि जिस भारतीय को काम का संवैधानिक अधिकार हासिल है, क्या उसे 100 अथवा 125 दिन का रोजगार मुहैया कराया जा रहा है अथवा नहीं? जब 2005 में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान ह्यराष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी बिलह्ल तैयार किया गया था, तब भाजपा के वरिष्ठ सांसद कल्याण सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति में बिल पर व्यापक विमर्श किया गया था। संसदीय समिति ने तत्कालीन मनमोहन सरकार को कई सुझाव भी दिए थे। हमारी सूचना है कि अधिकांश सुझाव मान लिए गए थे। यकीनन वह एक ऐतिहासिक प्रयोग था कि देश में गरीब और बेरोजगार अथवा जिसे काम चाहिए, उस व्यक्ति को साल में कमोबेश 100 दिन का रोजगार, केंद्र सरकार के जरिए, उपलब्ध कराया जाएगा। वह संकल्प और कानूनी प्रावधान अधूरे ही रहे, क्योंकि 2006-07 से लेकर 2024-25 तक औसतन 50.24 दिन का रोजगार ही मुहैया कराया जा सका है। वाकई यह सरकार की नाकामियों का स्मारक भी है, लेकिन इसमें कांग्रेस और भाजपा दोनों की ही सरकारें शामिल रही हैं। साल 2008 में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रपट सामने आई, तो बदइंतजामी और गहरे भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए। करीब 70 फीसदी ब्लॉक में मनरेगा अफसर ही तैनात नहीं थे।

करीब 52 फीसदी पंचायतों में मनरेगा सहायक ही नहीं थे। बंगाल के 19 जिलों में बिना काम ही भुगतान किए गए और फंड के गलत इस्तेमाल किए गए। देश के 19 राज्यों में सर्वे कराए गए, तो अधिकारी और ठेकेदार के मिलीभगत भ्रष्टाचारों का खुलासा हुआ। 2024-25 में, मोदी सरकार के दौरान, 193 करोड़ रुपए का गबन और घोटाला पाया गया। 2025-26 में 23 राज्यों में मनरेगा के तहत या तो काम ही नहीं कराया गया अथवा बजटीय खर्च कम किया गया। बीती 5 दिसंबर को ही राज्यसभा में सरकार ने जानकारी दी थी कि मनरेगा की मद के 9746 करोड़ रुपए बकाया हैं। बजट में मनरेगा के लिए 80,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। चूंकि रकम खर्च नहीं की गई, लिहाजा साफ है कि मजदूरी बांटी नहीं गई, क्योंकि काम उपलब्ध ही नहीं कराया गया। यूपीए सरकार के दौरान ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने कुछ पेशेवरों, पत्रकार आदि, को प्रतिनिधि बना कर बुंदेलखंड जैसे पिछड़े इलाकों में भेजा था, ताकि मनरेगा का यथार्थ सामने आ सके।

चिंतन-मनन

ईमानदारी सर्वोत्तम

एक राजा ने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए राज्य के सभी नौजवानों को एक-एक बीज दिया और कहा, इसे गमले में लगाकर सींचना और एक वर्ष के पश्चात मेरे पास लेकर आना। जिसका पौधा सबसे अच्छा होगा, उसे राजा घोषित किया जाएगा। सब बीज लेकर खुशी-खुशी लौटे। पांच-छह दिन गुजर जाने पर भी जब बीज अंकुरित नहीं हुआ, तो सबने उसी प्रकार का बीज नर्सरी से खरीदकर अपने-अपने गमले में लगा दिया और सींचने लगे। इन सबमें केवल भोलू नाम का नौजवान ही ?सा था, जिसने दूसरा बीज खरीदने का दुस्साहस नहीं किया। कुछ दिनों के पश्चात सभी युवा अपने-अपने हरे-भरे गमले के साथ राजा के सम्मुख पेश हुए, केवल भोलू ही खाली गमले के साथ कोने में नजरें चुराए खड़ा था। राजा ने उसे पास बुलाया और घोषणा कर दी कि भोलू ही मेरा उत्तराधिकारी है। जब जनता ने उसके खाली गमले को प्रश्नवाचक नजरों से देखा, तो राजा ने सभी के समक्ष यह भेद खोला कि मैंने उबले हुए बीज सभी को दिए थे। भोलू ने उसी उबले बीज को सींचा, जबकि शेष सभी ने राजा बनने के लिए बीज बदल लिए। ये बड़े-बड़े पौधे बेईमानी की कहानी कह रहे हैं। सत्य तो यही है कि बीज तो अंकुरित होना ही नहीं था, बावजूद इसके भोलू हिम्मत व ईमानदारी से अपना खाली गमला ही मेरे पास लेकर आया। इसलिए अगला राजा भोलू ही होगा। यदि हम बुद्धि रूपी जमीन पर ईमानदारी का बीजारोपण कर उसे सींचेंगे, तो निसंदेह उस पर विश्वास रूपी मीठे फल निकलेंगे।

पाकिस्तान की राह पर बांग्लादेश और भारत के लिए बढ़ती सुरक्षा चुनौती

सौरभ जैन अंकित

बांग्लादेश एक बार फिर गंभीर राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। भारत विरोधी बयानबाजी के लिए चर्चा में रहे शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद ढाका समेत कई शहरों में भड़की हिंसा ने नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। अखबारों के दफ्तर जलाए गए, अवामी लीग के कार्यालय पर हमले हुए और भारतीय उच्चायोग को घेरने की घटनाएं सामने आईं। बिगड़ते हालात के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है, क्या बांग्लादेश भी धीरे-धीरे पाकिस्तान की तरह कट्टरपंथी संगठनों के हाथ का खिलौना बनने जा रहा है?

भारत की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि बांग्लादेश में सक्रिय कुछ कट्टरपंथी इस्लामी संगठन दोबारा सिर उठा रहे हैं। जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश, अंसारुल्लाह बांग्ला टीम और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों का अतीत हिंसा, बम धमाकों और टारगेट किलिंग से जुड़ा रहा है। शेख हसीना सरकार के समय इन पर सख्त कार्रवाई हुई थी, जिससे इनका नेटवर्क कमजोर पड़ा। लेकिन मौजूदा राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक ढील के माहौल में इनके फिर से सक्रिय होने की आशंका बढ़ गई है।

भारत के लिए चिंता की एक बड़ी वजह यह भी है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद का संपर्क बांग्लादेशी कट्टरपंथी गुटों से रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये संगठन भारत के पूर्वी हिस्से में अस्थिरता फैलाने के इरादे से बांग्लादेश को एक नए आधार के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। कुछ आकलनों में यह भी सामने आया है कि विश्वविद्यालयों और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में बांग्लादेशी गुट इन आतंकी संगठनों की मदद कर रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश के बीच लंबी और संवेदनशील सीमा भी इस खतरे को बढ़ाती है। पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा और मेघालय से लगी सीमा पहले से ही अवैध घुसपैठ, तस्करी और नकली नोटों की समस्या से जूझ रही है। यदि कट्टरपंथी संगठनों को यहां पनपने का मौका मिला, तो यह सीमा आतंकियों के लिए आरामगाह के साथ ही एक देश से दूसरे देश तक आवाजाही, स्लीपर सेल और हथियारों की तस्करी का रास्ता बन सकती है, जैसा पाकिस्तान के साथ लगी सीमा पर देखा गया है।

हालिया हिंसा में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जाना भी चिंता का संकेत है। चटगांव में भारतीय उच्चायोग पर पत्थरबाजी और भारत विरोधी नारों से यह साफ होता है कि कट्टरपंथी तत्व माहौल को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति और सामाजिक दिशा का सीधा असर भारत की सुरक्षा पर पड़ता है।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से

मजबूत रहे हैं। ऐसे में कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त नीति, मजबूत और स्थिर सरकार तथा दोनों देशों के बीच खुफिया और सुरक्षा सहयोग बेहद जरूरी है। यदि समय रहते हालात पर काबू नहीं पाया गया, तो आशंका है कि बांग्लादेश भी पाकिस्तान की तरह आतंकी नेटवर्क के लिए उपजाऊ जमीन बन सकता है, जो भारत के लिए दीर्घकालिक और गंभीर चुनौती साबित होगा।

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि ह्यएकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकीह्ल, ह्ययुवा-नेतृत्व वाली एकजुटताह्ल और ह्यसतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटताह्ल जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब ह्यसभी मानव पहले मानवह्ल की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

भारतीय चिंतन ने सदियों पहले ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी।

आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया।

मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है।

हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा।

एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र

मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दशार्ती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर इस बात पर जोर देता है कि सदस्य देशों को सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे राष्ट्र सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद जैसे किसी भी खतरे के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के परस्पर संबंध को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र गरीबी, भूख और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वकालत करता है। एकजुटता साझेदारी के माध्यम से प्रकट होती है जो संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देती है और प्रत्येक राष्ट्र के प्रयासों को मजबूत करती है।

अंततः मानव एकता एवं एकजुटता दिवस हमें एक सरल लेकिन गहन सत्य की ओर लौटने का आह्वान करता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका मनुष्य होना है। यदि हम इस पहचान को बचा पाए, तो युद्ध, आतंक और हिंसा की अंधेरी रात अपने आप छँटने लगेगी। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को व्यवहार में उतारकर ही हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ अस्तित्व भय से नहीं, विश्वास से संचालित हो; जहाँ शक्ति हथियारों में नहीं, करुणा में निहित हो; और जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ हमें एक ऐसी मानवता के रूप में याद करें, जिसने विभाजन नहीं, बल्कि एकता को चुना।

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया

नई दिल्ली ।

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक (17 दिसंबर) 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया है। इसकी जानकारी केंद्र सरकार की ओर से शुक्रवार को दी गई। आयकर विभाग की ओर से बताया गया कि केंद्र सरकार का कुल सकल कर संग्रह इस साल एक अप्रैल से लेकर 17 दिसंबर तक 20.01 लाख करोड़ रुपए रहा है। इसमें सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 2.97 लाख करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है। इसमें सालाना आधार पर 13.52 प्रतिशत की गिरावट आई है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर में कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.17 लाख करोड़ रुपए रही है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.39 लाख करोड़ रुपए था। इसमें नॉन-कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.46 लाख करोड़ रुपए थी, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 7.96 लाख करोड़ रुपए थी। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में व्यक्तिगत कर और हिंदू अविभाजित परिवारों से वसूलने वाले कर को शामिल किया है। समीक्षा अवधि में सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह 40,194.77 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 40,114.02 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने 25.20 लाख करोड़ रुपए के प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा है, जो कि सालाना आधार पर 12.7 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ वित्त वर्ष 26 में सरकार को 78,000 करोड़ रुपए का एसटीटी

संग्रह होने का अनुमान है। कर संग्रह में इसतरह का इजाफा देखने को मिला है, जब आम बजट 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई कर प्रणाली के तहत कर छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया था। इससे बड़ी संख्या आयकर दाताओं का राहत मिली है।

एनसीएलटी के 50 और अपीली न्यायाधिकरण के 2 नए न्यायालय खोलने का रास्ता साफ

-केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी

नई दिल्ली। कंपनी मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के 50 और अपीली न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के 2 नए न्यायालय खोलने का प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने बताया कि दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक 2025 पर प्रवर समिति के साथ साझा की है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने समिति को बताया है कि वह 'आईबीसी प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णायक प्राधिकरण नियम' के तहत नियम बनाएगा, ताकि समयसीमा का पालन होना सुनिश्चित हो सके। मंत्रालय ने समिति को बताया कि 'यह फैसला करने वाले प्राधिकरणों की इंफ्रा, कार्यात्मक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक करने के लिए किया जाएगा।

प्रवर समिति ने कहा, न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन करने के लिए संबंधित प्रावधानों को सहायक कानूनों के साथ मजबूत करने की जरुरत हैं। विभिन्न हितधारकों ने समिति को बताया कि न्यायिक क्षमता का विस्तार करने या पीठों की संख्या बढ़ाने और इंफ्रा के सुधार के लिए वित्तीय आवंटन बढ़ाकर न्यायनिर्णय प्रक्रिया के पुनर्गठन की जरूरत है। एनसीएलटी में अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल स्वीकृत संख्या 63 है। एनसीएलटी के पीठों में 31 मार्च, 2025 तक केवल 3 पद रिक्त थे। मौजूदा आईबीसी ढांचे के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान शुरू करने वाले आवेदन को 14 दिनों के भीतर स्वीकार होना चाहिए, जबकि हकीकत में दिवाला आवेदन स्वीकार करने में न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों को औसतन एक साल से अधिक लग जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सदस्यों की कमी और अपेक्षित संख्या न होने के कारण न्यायाधिकरण सप्ताह में केवल कुछ दिन या दिन में कुछ घंटे ही बैठते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि यहां तक कि उन न्यायाधिकरणों में, जहां कोई रिक्ति नहीं है, अपेक्षित इन्फ्रा के अभाव के कारण पीठों को रोटेशन के आधार पर कोर्टरूम या हॉल साझा करने के लिए मजबूर होने पड़ता है।

बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा.....लोकल उत्पादन पर जोर

नई दिल्ली।

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल हैं। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेज पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।'

इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, डोंग-वू क्वांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने अगले माह कुछ कदम उठाएगी केंद्र सरकार

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने दिया भरोसा

नई दिल्ली।

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि केंद्र चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले माह कुछ फैसले करेगी। दरअसल, मांग से अधिक उत्पादन होने के कारण गन्ने का बकाया बढ़ने लगा है। यह फैसला चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की लंबे समय से लंबित मांग से जुड़ा है। चीनी कारोबार चीनी का एमएसपी मौजूदा 22 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर करीब 41 रुपये प्रति किलोग्राम करने की मांग कर रहा है। इस क्रम में उद्योग गन्ने से एथनॉल बनाने के मौजूदा 28 प्रतिशत को बढ़ाकर आदर्श रूप से 50 प्रतिशत करने और चीनी का निर्यात मौजूदा 15 लाख टन से बढ़ाने की मांग भी कर रहा है। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है।

केंद्रीय खाद्य सचिव चोपड़ा ने इंडियन शुगर एंड बॉयो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इस्मा) की वार्षिक बैठक में कहा, 'देखिए, वर्तमान में गन्ना बकाया ज्यादा बड़ा नहीं है।

हमें बताया गया है कि अगले महीने तक बकाया बढ़ना शुरू होगा। फिर खपत से अधिक चीनी का उत्पादन (2025-26 सत्र में) किसानों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देगा। यह हम नहीं चाहते हैं। इसलिए अधिशेष को कम करने के लिए हम जो कुछ औश्र कर सकते हैं, और यकीनन करने वाले है। चोपड़ा ने कहा कि वर्तमान में उठाए कदमों के साथ इस्मा ने अनुमान लगाया है कि 2025-26 सत्र के अंत तक चीनी का समापन स्टॉक करीब 60 लाख टन होगा और सरकार इस कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी ताकि किसानों को बढ़ते बकाया के कारण नुकसान न हो।

उधर इस्मा के निवर्तमान अध्यक्ष गौतम गोयल ने कहा कि उनके प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में गन्ना बकाया पहले ही करीब 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है जबकि उत्तर प्रदेश के आंकड़े अभी भी प्रतीक्षित हैं। दरअसल, मॉनसून की अवधि बढ़ने के कारण उत्तर प्रदेश में पेराई देर से शुरू हुई।

देश के कुल चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है।

एयरटेल ने किया शीर्ष पदों पर बदलाव का ऐलान

गोपाल विट्टल बने एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन; जनवरी 2026 से शाश्वत शर्मा संभालेंगे एमडी और सीईओ की कमान

नई दिल्ली।

भारतीय दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक ऐतिहासिक उत्तराधिकार योजना के तहत अपने शीर्ष नेतृत्व में बड़े फेरबदल की घोषणा की है। पिछले तेरह वर्षों से कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ गोपाल विट्टल अब 1 जनवरी 2026 से एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन की नई रणनीतिक भूमिका में नज़र आएंगे। उनके स्थान पर वर्तमान सीईओ डेज़िग्नेट शाश्वत शर्मा को कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव एयरटेल की उस दूरदर्शी सोच का हिस्सा है, जिसके तहत नेतृत्व का हस्तांतरण बेहद सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया गया है।

गोपाल विट्टल अपनी नई और व्यापक जिम्मेदारी में भारती एयरटेल सहित उसकी सभी सहायक कंपनियों की कमान संभालेंगे। उन पर समूह स्तर पर डिजिटल रूपांतरण, टेक्नोलॉजी, नेटवर्क रणनीति और टैलेंट मैनेजमेंट जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों को नई दिशा देने का अहम भार होगा। वहीं, शाश्वत शर्मा जो पिछले एक वर्ष से विट्टल के साथ मिलकर व्यवसाय के हर पहलू पर काम कर रहे थे, अब भारतीय परिचालन का नेतृत्व करेंगे और सीधे विट्टल को रिपोर्ट करेंगे। इस नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही कंपनी ने अपने वित्तीय प्रबंधन को भी नई मजबूती दी है। वर्तमान सीएफओ सौमेन रे को अब ग्रुप चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर के उच्च पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि एयरटेल के साथ 12 वर्षों का लंबा अनुभव रखने वाले अखिल गर्ग अब भारती एयरटेल इंडिया के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर का दायित्व संभालेंगे। प्रशासनिक स्तर पर रोहित पुरी को कंपनी सेक्रेटरी और कंप्लायंस ऑफिसर नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज तिवारी ग्रुप कंपनी सेक्रेटरी के रूप में समूह स्तर पर अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने नेतृत्व के इस हस्तांतरण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे निरंतरता और नई ऊर्जा का अनूठा संगम बताया है। उन्होंने कहा कि गोपाल विट्टल के अनुभव और शाश्वत शर्मा की सक्रियता की यह जुगलबंदी एयरटेल को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेलीकॉम कंपनी बनाने के संकल्प को और अधिक सशक्त करेगी।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 62 पैसे की तेजी के साथ ही 89.65 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 90.27 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.35 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें हल्की मजबूती देखी गई और यह 90.32 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि शुरुआती सत्र में रुपये में कमजोरी भी दर्ज की गई और यह 90.38 के स्तर तक फिसल गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 98.41 पर रहा, जिससे उभरती मुद्राओं पर दबाव बना रहा।

श्रीराम फाइनेंस में 4 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा जापान का एमयूएफजी समूह

नई दिल्ली। जापान की मित्सुबिशी यूएफजे वित्तीय समूह (एमयूएफजी) के श्रीराम फाइनेंस में चार अरब डॉलर से अधिक के निवेश की उम्मीद है। श्रीराम फाइनेंस भारत के निजी क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है। सूत्रों ने बताया कि एमयूएफजी श्रीराम फाइनेंस में 20 प्रतिशत का हिस्सेदारी खरीदेगा और यहां भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशों में से एक हो सकता है। इस लेन देन के होने के बाद भी श्रीराम समूह एनबीएफसी का सबसे बड़ा शेयरधारक व प्रवर्तक रहेगा। सूत्रों के मुताबिक श्रीराम फाइनेंस की कॉरपोरेट पहचान बनी रहेगी। श्रीराम समूह की श्रीराम फाइनेंस में 24.98 प्रतिशत हिस्सेदारी है। श्रीराम समूह ने श्रीराम कैपिटल और श्रीराम वैल्यू सर्विसेज के जरिए श्रीराम फाइनेंस में निवेश किया है। इसमें दक्षिण अफ्रीका की सैनलाम लाइफ इंश्योरेंस की हिस्सेदारी 0.41 प्रतिशत है। इससे प्रवर्तक की कुल हिस्सेदारी 25.39 प्रतिशत हुई है। श्रीराम फाइनैंस को इस लेन देन के लिए ओपन ऑफर की आवश्यकता नहीं होगी। इसका कारण यह है कि हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरी तरह से शेयरों के प्राथमिक निर्गमन के माध्यम से किया जाएगा। श्रीराम फाइनैंस ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसका बोर्ड बैठक करेगा। इसमें राइट्स इश्यू, तरजीही आवंटन, योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट या किसी अन्य तरीके से धन जुटाने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।

बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा.....लोकल उत्पादन पर जोर

नई दिल्ली।

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल हैं। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेज पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।' इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, डोंग-वू क्वांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 447, निफ्टी 150 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के बारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 447.55 अंक बढ़कर 84,929.36 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 150.85 अंक उछलकर 25,966.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.67 फीसदी और निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.23 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक , इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, ट्रेंट, एचयूएल, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718 अंक बढ़कर 60,310.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 230.15 अंक उछलकर 17,390.35 पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स बाजार खुलने के बाद 337.06 अंक तेजी के साथ 84,818.87 अंक पर कारोबार

करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 95.45 अंक की बढ़त के साथ ही 25,911.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज एशिया-पैसिफिक बाजारों में खरीदारी देखने को मिली। निवेशक जापान के केंद्रीय बैंक के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अनुमान है कि बैंक ऑफ जापान ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है और दरें 0.75 फीसदी तक पहुंच सकती हैं। इस बीच जापान का निक्केई, ऑस्ट्रेलिया का एएसएसक्स 200 और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में बढ़त रही। वहीं अमेरिकी बातार वॉल स्ट्रीट में बढ़त रही। एसएंडपी 500 ने चार कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की। महंगाई के अनुमान से कम रहने वाले आंकड़ों से 2026 में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है।

प्लेटिनम 18 साल के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई। सोने-चांदी के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के साथ प्लेटिनम भी निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। ग्लोबल मार्केट में प्लेटिनम के दाम 18 साल के ऊंचे स्तर 1,975 डॉलर प्रति औंस (1,78,227 रुपए प्रति 28.35 ग्राम) पर पहुंच गए। निवेशक कमजोर होती करेंसी से संभावित नुकसान से बचाव (हेजिंग) के लिए प्लेटिनम में निवेश कर रहे हैं। सोना-चांदी जरूरत से ज्यादा महंगे होने से ये थोड़े सस्ते विकल्प नजर आ रहे हैं। 2025 में अब तक इसकी कीमत 121 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक भारत में प्लेटिनम की औसत कीमत 61,513 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। 2024 के आखिर में यह 27,560 रुपए और 2020 के आखिर में 24,910 रुपए थी।

2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को एआई से प्रशिक्षित करेगी आईबीएम

मुंबई ।

आईबीएम ने भारत में कौशल विकास के लिए एक बड़े अभियान का ऐलान किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी 2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा। यह पहल आईबीएम स्किल्सबिल्ड के माध्यम से होगी, जिसका उद्देश्य देश में भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना है और छात्रों और वयस्कों को डिजिटल और नौकरी केंद्रित कौशल तक आसान पहुंच देना है। आईबीएम ने कहा कि कार्यक्रम के जरिए उन्नत तकनीक की शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाया जाएगा, इसके तहत स्कूल, विश्वविद्यालय और कारोबारी प्रशिक्षण संस्थानों में एआई और उभरती तकनीकी शिक्षा का विस्तार होगा।

आईबीएम, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर एआई-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, हैकथॉन और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देगा, जिसका मकसद छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा कि भारत में एआई और क्वांटम तकनीक में वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि योजना से युवाओं को नई चीजें सीखने, नवाचार और देश के विकास में मदद करने का मौका मिलेगा।

आईबीएम स्कूलों में एआई शिक्षा को मजबूत कर रहा है। वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के लिए

एआई पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है और शिक्षकों को एआई प्रोजेक्ट कुकबुक, शिक्षक मार्गदर्शिका और समझाने वाले मॉड्यूल जैसी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को कंप्यूटेशनल सोच और जिम्मेदार एआई की समझ देना है।

सेबी ने जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 से कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की दी अनुमति

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शर्तों में बदलाव करके जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 रुपए के कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की अनुमति दी है। इसके तहत जारीकर्ता निजी नियोजन के जरिये जारी अपरिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों और अपरिवर्तनीय तरजीही शेयरों की फेस वैल्यू कम कर सकते हैं। पहले के एक सर्कुलर में सेबी ने जारी करने वालों को ऐसी प्रतिभूतियों की फेस वैल्यू घटाकर 10,000 रुपए करने की इजाजत दी थी, बशर्ते वे फिक्स्ड मैच्योरिटी वाले ब्याज या लाभांश देने वाले साधन हों और उन पर कोई स्ट्रक्चर्ड ऑब्लिगेशन न हो। हालांकि, इस शर्त ने जीरो-कूपन बॉन्ड को बाहर कर दिया, जो समय-समय पर ब्याज नहीं देते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाजार कारोबारियों की प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए सेबी ने माना कि जीरो-कूपन बॉन्ड समय-समय पर मिलने वाले कूपन के बजाय कीमत में बढ़ोतरी पर रिटर्न देते हैं। नियामक ने कहा कि ये बॉन्ड समय के साथ चक्रवृद्धि रिटर्न देते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले निवेशक इनका ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं।

इस महीने में 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात, बिल यथावत रहा

-2026 में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रहने की संभावना

नई दिल्ली। नवंबर महीने में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कच्चे तेल आयात की मात्रा में 11 फीसदी बढ़ोतरी हुई, जबकि आयात बिल यथावत रहा। पेट्रोलियम प्लानिंग ऐंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में देश का तेल आयात बिल 9.9 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले की तुलना में अपरिवर्तित है। भारत ने इस महीने के दौरान 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जो पिछले साल की समान अवधि में आयात किए गए 189 लाख टन की तुलना में काफी ज्यादा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ज्यादा आपूर्ति के डर के कारण 2025 में कच्चे तेल की कीमत कम रही है। इसकी वजह से ज्यादा तेल खरीद के बावजूद भारत का आयात बिल कम रहा। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत नवंबर 2025 में औसतन 64.31 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि पिछले साल यह 73.02 डॉलर प्रति बैरल थी। अप्रैल से नवंबर की अवधि में देश के कच्चे तेल का आयात बिल करीब 12 फीसदी घटकर 80.9 अरब डॉलर रह गया। आपूर्ति की अधिकता के डर और यूक्रेन व रूस के बीच शांति समझौते की उम्मीदों के बीच बेंचमार्क ब्रेंट इस सप्ताह की शुरुआत में गिरकर 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जो पिछले 5 सालों में सबसे कम है।

मां हमेशा हौसला देती थी: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है।

पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है।

अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

अभिनेत्री ने लिखा, 15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूं। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है। अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद फैंस और दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दी। कंटेंट क्रिएटर नेन्सी त्यागी और शनाया कपूर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। बतादें कि कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म में उनके साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं।

यूलिया ने अपनी मातृभाषा में रिलीज़ किया पहला गीत

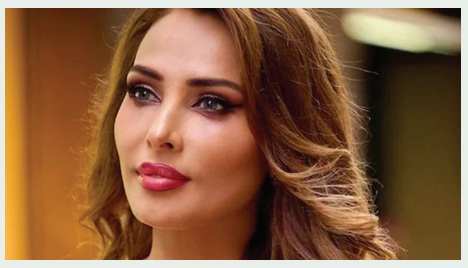

पिछले 14 वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय कलाकार यूलिया वंतूर ने अपने करियर का एक बेहद भावनात्मक अध्याय शुरू किया है। यूलिया ने अपने गृह देश रोमानिया और अपनी मातृभाषा में पहला गीत रिलीज़ किया है, जिसका शीर्षक 'कोलिंदे, कोरिंदे' है। यूलिया के लिए यह गीत न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से खास है, बल्कि इसकी प्रस्तुति भी ऐतिहासिक रही। इस कैरल को पहली बार वेटिकन में पॉल षष्टम हॉल में प्रस्तुत किया गया, जहां पोप लियो चौदह की उपस्थिति में और दुनिया भर के प्रमुख आध्यात्मिक नेताओं व हजारों लोगों के सामने नोस्त्रा एताते के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में इसका प्रदर्शन हुआ। यूलिया वंतूर के लिए यह गीत किसी सपने के सच होने जैसा है। उनका कहना है कि वे वर्षों से रोमानियाई भाषा में गाना चाहती थीं, लेकिन उनका पहला रोमानियाई गीत एक क्रिसमस कैरल होना जैसे पहले से तय था। उनके अनुसार, कैरल्स उन्हें अपने बचपन, अपने देश, अपने माता-पिता और अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में हों, हर साल क्रिसमस पर वे अपने माता-पिता के लिए कैरल गाती हैं और वीडियो कॉल पर यह उनकी खास पारिवारिक परंपरा बन चुकी है। इन पलों में वे खुद को फिर से एक बच्ची की तरह महसूस करती हैं।

यूलिया की भारत में संगीत यात्रा भी एक रोमानियाई कैरल से ही शुरू हुई थी। चौदह साल पहले गाया गया वही कैरल बाद में भारत में 'तेरी मेरी' गीत की प्रेरणा बना और यहीं से उनके हिंदी संगीत करियर की शुरुआत हुई। इसी वजह से जब उन्हें पोप की उपस्थिति में वेटिकन में गाने का निमंत्रण मिला, तो उन्होंने अपने दिल के सबसे करीब गीत 'कोलिंदे, कोरिंदे' को चुनना सही समझा। इस गीत का म्यूज़िक वीडियो लंदन और रोमानिया में फिल्माया गया है, जिसमें यूलिया के माता-पिता भी नजर आते हैं। वीडियो में दूरी, तड़प और घर की याद को बेहद भावुक तरीके से दर्शाया गया है। गीत का संगीत और बोल रिमेनेस्कु, यूजेनिया निकोलाए और सेज़र काज़ानोई कावाल ने लिखे हैं, जबकि इसका निर्माण सी एंड पी वायरल नेशन रोमानिया ने किया है। यूलिया वंतूर के अनुसार, 'कोलिंदे, कोरिंदे' सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि एक एहसास है—अपने घर, अपने माता-पिता और अपने सबसे प्रिय लोगों के साथ फिर से जुड़ने की भावना।

धुरंधर को मिला एयर इंडिया से खास प्यार, यामी गौतम ने दिखाई झलक

आदित्य धर के निर्देशन में बनी मल्टीस्टारर धुरंधर की दमदार कहानी और तगड़ी स्टारकास्ट को जमकर तारीफ मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। फिल्म को एयर इंडिया ने भी खास अंदाज में सराहा। अभिनेत्री और फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एयर इंडिया की ओर से पति आदित्य धर को लिखा गया एक स्पेशल लेटर पोस्ट किया। लेटर में एयर इंडिया ने लिखा है कि क्रू मेंबर्स फिल्म से काफी प्रभावित हैं, 35,000 फीट की ऊंचाई पर जश्न! मिस्टर धर, एक अद्भुत और शानदार फिल्म बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह फिल्म इतनी शानदार है कि हमारी पूरी टीम उत्साह और जोश से भर गई है। फ्लाइट नंबर का जिक्र करते हुए एयर इंडिया ने आगे लिखा, 12660 बेसब्री से इंतजार कर रहा है।धुरंधर रणवीर सिंह स्टारर एक्शन थ्रिलर है, जिसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। कुछ ही दिनों में यह 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। अल्लू अर्जुन, विवेक रंजन अग्निहोत्री, अशोक पंडित, राजकुमार राव, विक्की कौशल, ऋतिक रोशन, तारा शर्मा समेत अन्य एक्टर्स ने पोस्ट कर न केवल कहानी, बल्कि स्टारकास्ट को भी बेहतरीन बताया। वहीं, रोहित शेट्टी ने धुरंधर को नया सिनेमा तक कह दिया। जासूसी और देशभक्ति से भरपूर फिल्म की बड़ी सफलता के बाद सीक्वल भी आने की तैयारी में है। मेकर्स ने हाल ही में ऐलान कर बताया कि धुरंधर पार्ट 2 अगले साल मार्च में रिलीज होगी।

बार-बार देखने का मन करता है 'धुरंधर': एलनाज नौरोजी

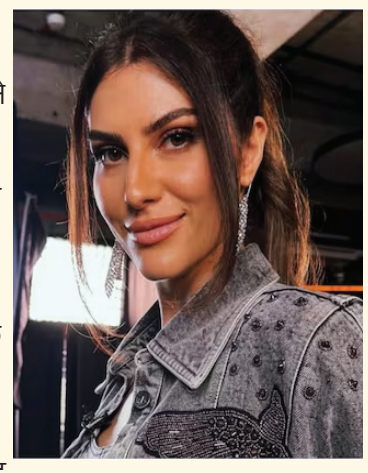

स्पाई-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 दिसंबर को रिलीज़ हुई इस फिल्म ने अब तक 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की इंडस्ट्री के सितारे भी जमकर सराहना कर रहे हैं। हाल ही में ईरानी मूल की अभिनेत्री और मॉडल एलनाज नौरोजी ने भी 'धुरंधर' की खुलकर तारीफ की है। एलनाज नौरोजी ने फिल्म की प्रशंसा के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन का सहारा लिया। उन्होंने 'धुरंधर' का पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। एलनाज ने न सिर्फ फिल्म की कहानी की तारीफ की, बल्कि निर्देशक आदित्य धर और पूरी स्टारकास्ट को भी सराहा। उन्होंने लिखा कि फिल्ममेकिंग अपने बेहतरीन स्तर पर नजर आती है और आदित्य धर ने एक बार फिर खुद को साबित किया है। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना की एक्टिंग को बेजोड़ बताया। एलनाज ने अपनी पोस्ट में यह भी साझा किया कि वह सिनेमा से गहराई से जुड़ी हुई हैं, लेकिन आमतौर पर किसी भी फिल्म को दो बार देखने से बचती हैं। हालांकि 'धुरंधर' उनके लिए एक अपवाद साबित हुई है। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म इतनी प्रभावशाली है कि वह इसे तीन, चार या उससे भी ज्यादा बार देखना चाहेंगी। उनके मुताबिक, फिल्म की कहानी, अभिनय और तकनीकी पक्ष इतने मजबूत हैं कि हर बार देखने पर कुछ नया महसूस होता है। 'धुरंधर' को लेकर सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त चर्चा है। भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों की बहादुरी और जियोपॉलिटिकल मुद्दों पर आधारित इस फिल्म में रणवीर सिंह ने एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाई है। उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी कंधार हाइजैक और 26/11 जैसे सच्चे और संवेदनशील घटनाक्रमों से प्रेरित बताई जा रही है। हालांकि जबरदस्त तारीफों के बीच फिल्म को कुछ आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है। कुछ क्रिटिक्स ने इसे 'प्रोपेगेंडा' करार दिया है, लेकिन इसके बावजूद दर्शकों की भीड़ और बॉक्स ऑफिस आंकड़े साफ तौर पर फिल्म की लोकप्रियता बयान कर रहे हैं।

जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं: शत्रुघ्न सिन्हा

इंटरफेथ मैरिज होने की वजह से बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल का रिश्ता सोशल मीडिया पर लगातार बहस का विषय बना रहा, जहां कई बार सोनाक्षी और उनके परिवार को आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। हाल ही में सोनाक्षी के पिता और वरिष्ठ अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने बेटी और दामाद के रिश्ते को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। जब उनसे पूछा गया कि सोनाक्षी और जहीर का रिश्ता कैसा है, तो उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा कि दोनों का बॉन्ड बेहद मजबूत और प्यारा है। शत्रुघ्न सिन्हा के मुताबिक, जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे के लिए ही बने हों। उन्होंने यह भी बताया कि सोनाक्षी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए कहा था कि जहीर उनके जीवन के सबसे अहम शख्स हैं। शत्रुघ्न ने मुस्कराते हुए कहा कि सोनाक्षी मानती हैं कि उनके जीवन में केवल दो हीरो हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने हमेशा अपनी बेटी के फैसलों का समर्थन किया है। इससे पहले भी वे साफ कह चुके हैं कि सोनाक्षी का यह निर्णय पूरी तरह सही है और उन्हें इसमें कुछ भी गलत नजर नहीं आता। उन्होंने दो टूक कहा कि बेटी की खुशी ही उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है और वही उनके लिए मायने रखती है। इसी बीच, एक पॉडकास्ट में सोनाक्षी सिन्हा ने इंटरफेथ मैरिज और ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि इस तरह की बातें केवल शोर हैं, जिनका उनकी निजी जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। सोनाक्षी ने यह भी कहा कि वह पहली महिला नहीं हैं जिन्होंने ऐसा फैसला लिया हो और न ही आखिरी होंगी। उनके मुताबिक, वह एक आत्मनिर्भर और सफल महिला हैं, जो अपने फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। इसी वजह से उन्होंने अपनी शादी को शोर-शराबे से दूर, बेहद निजी और

खास तरीके से सेलिब्रेट किया। हालांकि सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां भी कीं, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे हमेशा अपनी बेटी और दामाद के साथ खड़े रहेंगे। परिवार का यही प्यार और समर्थन सोनाक्षी और जहीर के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता नजर आता है। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल की शादी को अब एक साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन उनकी जोड़ी आज भी उतनी ही चर्चा में है जितनी शादी के वक्त थी। 23 जून 2024 को सात साल की लंबी डेटिंग के बाद दोनों ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

'हीरो' ने रातोंरात स्टार बना दिया था जैकी श्रॉफ को

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने अभिनय करियर के 42 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म हीरो के रिलीज होते है जग्गू दादा यानि की जैकी श्रॉफ रातोंरात स्टार बन गए थे। इस बेहद खास मौके पर जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में फिल्म का एक छोटा सा क्लिप साझा करते हुए लिखा, 'फिल्म हीरो के 42 साल पूरे।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपने उस दौर को याद किया, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था। फिल्म 'हीरो' में जैकी श्रॉफ पहली बार लीड रोल में नजर आए थे। उन्होंने फिल्म में जैकी दादा नाम के एक गैंगस्टर का किरदार निभाया था, जो पुलिस कमिश्नर की बेटी राधा, यानी मीनाक्षी शेषाद्रि का अपहरण करता है। कहानी में आगे चलकर यह किरदार प्रेम और पश्चाताप के रास्ते पर चलता है और खुद को बदल लेता है।

रोमांच, एक्शन और रोमांस से भरपूर इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म में अमरीश पुरी और संजीव कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी ने इसे और मजबूत बनाया। 'हीरो' की सफलता के बाद जैकी श्रॉफ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'कर्मा', 'राम-लखन', 'खलनायक', 'सौदागर', 'बॉर्डर' और 'रंगीला' जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। अपनी दमदार आवाज, अनोखे स्टाइल और सहज अभिनय के दम पर उन्होंने बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया।

हालांकि, जब उनका स्टारडम चरम पर था, तब भी उनकी सादगी और जमीन से जुड़ा स्वभाव लोगों को खूब पसंद आया। कहा जाता है कि अपार सफलता के बावजूद जैकी श्रॉफ लंबे समय तक उसी चॉल में रहे, जहां उनका बचपन बीता था। काम के मोर्चे पर जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आने वाले हैं। समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नम : पिक्चर्स के बैनर तले रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में जुटे कार्तिक

अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन जुटे हुए हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए अहमदाबाद पहुंचे कार्तिक ने काम के बीच स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। गुजरात की मशहूर मिठाइयों का आनंद लेते हुए कार्तिक दिल के आकार की जलेबी और कुरकुरे फाफड़ा खाते नजर आए। कार्तिक आर्यन ने इस खास पल की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हैं और फिर मुस्कुराते हुए उसका स्वाद लेते दिखाई देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज़ देते हुए और फाफड़ा से सजी प्लेट दिखाते नजर आ रहे हैं। उनका यह देसी अंदाज़ फैन्स को काफी पसंद आ रहा है और पोस्ट पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। इस पोस्ट को कार्तिक ने खास कैप्शन के साथ शेयर किया, जिसमें उन्होंने तलविंदर के गाने 'तेनु ज़्यादा मोहब्बत कर बैठे' का जिक्र किया।

यह गाना उनकी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साउंडट्रैक का हिस्सा है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ यह गाना प्यार के उस नाज़ुक और भावुक पहलू को दिखाता है, जिसमें मोहब्बत के साथ दर्द भी शामिल होता है। इस ट्रैक को लेकर कार्तिक पहले ही कह चुके हैं कि दिल टूटना भी 'प्यार का एक रंग' है। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों में अच्छा-खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आत्म-खोज की अपनी-अपनी यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से प्यार कर बैठते हैं। हालांकि, पारिवारिक दबाव और सामाजिक बंदिशें उनके रिश्ते की कड़ी परीक्षा लेती हैं। रोमांस और इमोशन से भरपूर यह फिल्म दर्शकों के लिए एक खास अनुभव लेकर आने वाली है।

फराह और कुनिका ने किया जीवन के अनुभवों को सांझा

बॉलीवुड फिल्ममेकर एवं कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेत्री कुनिका सदानंद के बीच हुई एक बातचीत इन दिनों चर्चा में है। फराह खान हाल ही में कुनिका सदानंद के घर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच रिश्तों, आदतों और जीवन के अनुभवों को लेकर खुलकर बात हुई। बातचीत के दौरान माहौल हल्का-फुल्का भी रहा और भावनात्मक भी, जब फराह ने हंसते हुए कुनिका को सलाह दी कि अब शायद उन्हें नया बॉयफ्रेंड ढूंढ लेने का वक्त आ गया है। इस मजाक की शुरुआत उस समय हुई, जब कुनिका ने 'बिग बॉस 19' से जुड़ा एक पुराना किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान फराह खान ने उनके व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए उन्हें कंट्रोल फ्रीक कहा था। कुनिका ने स्वीकार किया कि उस वक्त यह बात उन्हें बहुत बुरी लगी थी और वह अंदर से टूट गई थीं।

उन्होंने बताया कि फराह की उस टिप्पणी के बाद वह रो पड़ी थीं और लंबे समय तक खुद को लेकर सोचती रहीं। हालांकि समय बीतने के साथ उन्होंने उस बात को समझने की कोशिश की और अपने व्यवहार पर आत्ममंथन किया। कुनिका ने कहा कि उस घटना के बाद उन्होंने अपने रिश्तों को नए नजरिए से देखना शुरू किया। उन्हें एहसास हुआ कि वह लोगों को जरूरत से ज्यादा प्यार और ध्यान देती थीं, जिससे कई बार सामने वाले को घुटन महसूस होती थी। वह हर रिश्ते में चीजों को संभालने और नियंत्रित करने की कोशिश करती थीं, चाहे वह दोस्ती हो, प्यार हो या पारिवारिक रिश्ता। जब उन्होंने धीरे-धीरे इस आदत को कम किया, तो उन्हें अपने भीतर सकारात्मक बदलाव महसूस हुआ।

कुनिका ने फराह से कहा कि अब उन्हें लगता है कि उस समय कही गई बात पूरी तरह गलत नहीं थी और कई बार ज्यादा केयर भी रिश्तों को बोझिल बना देती है। कुनिका की यह बात सुनकर फराह खान ने हंसते हुए कहा कि अब तो नया बॉयफ्रेंड बनाने का सही समय आ गया है। इसके बाद फराह ने भी अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्मों के सेट पर हर चीज को कंट्रोल करने की आदत धीरे-धीरे उनकी निजी जिंदगी में भी आ गई थी। लेकिन समय के साथ उन्होंने समझा कि हर चीज पर नियंत्रण जरूरी नहीं होता। अब वह घर में चीजों को छोड़ना, परिवार को फैसले लेने की आजादी देना और बेवजह का तनाव न लेने की कोशिश करती हैं।

ट्रैविस हेड ने ब्रैडमैन और स्मिथ के बाद बनाया खास रिकॉर्ड, इंग्लैंड को एडिलेड में खूब 'पीटा'

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में इंग्लैंड को खूब 'पीटा' (शतक) और डॉन ब्रैडमैन तथा स्टीव स्मिथ के साथ खास रिकॉर्ड बना दिया है। हेड शानदार शतक लगाने के बाद अपने देश के एक क्रिकेट मैदान पर लगातार 4 शतक लगाने वाले क्रिकेट दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

ट्रैविस ने मौजूदा एशेज सीरीज के दौरान अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। कप्तान बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स की शतकीय साझेदारी के बाद संघर्ष कर रही इंग्लैंड टीम के लिए उम्मीद और वादे से भरी सुबह की शुरुआत हुई जिसमें जेक वेदरल्ड को आउट करके शुरुआती विकेट लिया गया, लेकिन यह एक और बुरे सपने वाले दिन में बदल गया क्योंकि ट्रैविस ने इंग्लिश लाइन-अप की धुनाई की और दिन का अंत 196 गेंदों में शानदार 142* रन बनाकर किया जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे, स्ट्राइक रेट 72 से अधिक था।

क्लार्क के बाद ऐसा करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई

हेड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने जनवरी 2012 और दिसंबर 2014 के बीच एडिलेड में लगातार चार टेस्ट शतक बनाए हैं। उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (175), 2024 में उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ (119) और पिछले साल भारत के खिलाफ (140) एडिलेड में शतक बनाए हैं। अब उन्होंने एक और शानदार शतक लगाया है जो उनके घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में उनके अविश्वसनीय प्रदर्शन को जारी रखता है।

दिग्गजों की लिस्ट में शामिल

हेड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (1928 से 1932 तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में), माइकल क्लार्क (2012 से 2014 तक एडिलेड में), स्टीव स्मिथ (2014 से 2017 तक स्ष्ह्ल में) और इंग्लिश दिग्गज वैली हैमंड (1928 से 1936 तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में) की एलीट कंपनी में शामिल हो गए हैं, जो किसी खास ऑस्ट्रेलियाई मैदान पर लगातार चार टेस्ट शतक बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज हैं। एडिलेड ओवल में हेड ने आठ मैचों और 11 पारियों में 87.33 की औसत से 786 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 175 है।

इस साल टेस्ट में ट्रैविस हेड का रिकॉर्ड

इस साल 10 टेस्ट और 19 पारियों में उन्होंने 43.00 की औसत और 79.71 के स्ट्राइक रेट से 731 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक, तीन अर्धशतक और 142* का बेस्ट स्कोर शामिल है। चल रही एशेज सीरीज में हेड तीन मैचों और छह पारियों में 70.20 की औसत और 86.24 के स्ट्राइक रेट से 351 रन बनाकर सबसे आगे हैं, जिसमें दो शतक और 142* का बेस्ट स्कोर शामिल है।

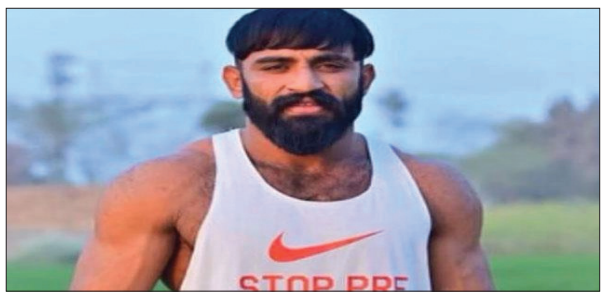

भारत टीम के लिए खेला पाकिस्तान का मशहूर कबड्डी खिलाड़ी, झंडा भी लहराया, तस्वीरें वायरल होने पर बुरा फंसा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तानी के लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वह 16 दिसंबर को बहरीन में एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए खेले थे। जीसीसी कप में भारतीय शर्ट पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए उबैदुल्लाह के वीडियो और तस्वीरें वायरल होने के बाद वह बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं।

पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (PKF) के सचिव राणा सरवर ने कहा कि पीकेएफ की एक आपात बैठक 27 दिसंबर को बुलाई गई है जिसमें इस मामले पर चर्चा की जाएगी और राजपूत तथा कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

सरवर ने कहा, 'मैं पुष्टि कर सकता हूं कि यह एक निजी टूर्नामेंट था जिसमें आयोजकों द्वारा प्रतियोगिता में भारत, पाकिस्तान, कनाडा, ईरान आदि नामों से निजी टीमें बनाई गई थीं लेकिन सभी टीमों में अपने-अपने देश के खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ियों ने भारतीय निजी टीम का प्रतिनिधित्व किया और उबैदुल्लाह उनके लिए खेले जो इन परिस्थितियों में स्वीकार्य नहीं है।'

सरवर ने यह भी दावा किया कि 16 पाकिस्तानी खिलाड़ी महासंघ या पाकिस्तान खेल बोर्ड से बिना किसी इजाजत के बहरीन गए थे। उन्होंने कहा, 'इसलिए इन खिलाड़ियों के खिलाफ भी पाकिस्तान टीम के नाम पर गलत तरीके से खेलने के लिए कार्रवाई की जाएगी।' राजपूत ने माफी मांगी है और साफ किया है कि उन्हें बहरीन में इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए आमंत्रित किया गया था और उन्हें एक निजी टीम में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था और मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नाम इस्तेमाल नहीं करें।'

कुलदीप यादव को लियोनेल मेसी का खास तोहफा, भारतीय स्पिनर हुआ भावुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट और विश्व फुटबॉल का अनोखा संगम उस वक्त देखने को मिला, जब टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव को फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी से साइन की हुई अर्जेंटीना जर्सी मिली। यह खास पल मेसी के 'त्ह्ह्ज्ञ इंडिया टूर 2025' के दौरान राजधानी दिल्ली में देखने को मिला। इस मुलाकात ने न सिर्फ खेल प्रेमियों का दिल जीता, बल्कि यह दिखाया कि खेल सीमाओं और खेलों से परे एक-दूसरे को जोड़ने की ताकत रखते हैं।

लियोनेल मेसी के भारत दौरे के दौरान कुलदीप यादव को अर्जेंटीना की ऑटोग्राफ वाली जर्सी भेंट की गई। यह तस्वीर एडिडास इंडिया के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की गई, जिसमें कुलदीप के साथ भारत के नामी पैरा एथलीट भी नजर आए। इस खास मौके पर कुलदीप की खुशी साफ झलक रही थी, क्योंकि वह लंबे समय से मेसी और एफसी बार्सिलोना के बड़े प्रशंसक रहे हैं।

इस आयोजन में सिर्फ कुलदीप यादव ही नहीं, बल्कि भारत के कई दिग्गज एथलीटों को मेसी से मिलने का मौका मिला। दो बार के पैरालंपिक भाला फेंक चैंपियन सुमित अंतिल, पैरा हाई-जंप स्टार निशाद कुमार, बॉक्सिंग की स्टार खिलाड़ी निकहत ज़रीन और महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर भी इस यादगार पल का हिस्सा बने।

भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा, 11 साल बाद पाकिस्तान से होगा खिताबी मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। उप-कप्तान विहान मल्होत्रा की शानदार स्ट्रोक-प्ले को आरोन जॉर्ज के संयम ने बखूबी साथ दिया जिससे भारत अंडर-19 ने शुक्रवार को बारिश से प्रभावित सेमीफाइनल में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई।

बारिश के कारण मैच 20-20 ओवर का कर दिया गया जिसके बाद भारतीय गेंदबाजी यूनिट जिसने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है, ने श्रीलंका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 138 रन पर रोक दिया। जवाब में बाएं हाथ के बल्लेबाज मल्होत्रा (45 गेंदों में 61 रन नाबाद), जिन्हें हाल ही में हुए IPL मिनी ऑक्शन में RCB ने खरीदा था, ने आसानी से फ्लिक और पुल शॉट खेलते हुए कुछ चौकों के अलावा दो छक्के भी लगाए। उनके साथी और इस टूर्नामेंट में भारत के संकटमोचक जॉर्ज (49 गेंदों में 58 रन नाबाद) ने अपने स्ट्रोक्स में तकनीकी रूप से परफेक्ट थे जिससे भारत ने 18 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल में भारत की आठवीं उपस्थिति मल्होत्रा और जॉर्ज के बीच तीसरे विकेट के लिए अटूट 114 रन की साझेदारी पर आधारित थी।

दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया और ये दोनों पड़ोसी देश 11 साल के अंतराल के बाद महाद्वीपीय फाइनल में मिलेंगे। पिछली बार जब भारत -19 ने 2014 में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था, तो उस टीम में श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, संजू सैमसन और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

भारत अंडर-19 की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब किशोर IPL सनसनी आयुष म्हात्रे (7) और वैभव सूर्यवंशी (9) को तेज गेंदबाज रसिथ निमसार ने आउट कर दिया। म्हात्रे जिनका टूर्नामेंट खराब रहा है, निमसार की एक छोटी गेंद पर गलत टाइमिंग से पुल शॉट खेलने की कोशिश में आउट हो गए। निमसार ने सूर्यवंशी के लिए अपनी गति में बदलाव किया जिन्होंने बल्ले का मुंह बंद करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले के किनारे पर लगी और हवा में उछल गई।

हालांकि मल्होत्रा ने निमसार की गेंद पर फ्लिक करके छक्का लगाकर शुरुआत की और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जॉर्ज के मामले में ऑफ-स्पिनर कविजा गमागे की गेंद पर एक शानदार ड्राइव ने उनकी क्लास दिखाई। श्रीलंका अंडर19 अभी भी दुनिथ सिगेरा द्वारा फेंके गए 13वें ओवर तक मुकाबला कर रही थी, जहां मल्होत्रा ने पहले बाउंड्री के लिए एक छोटा, मजबूत पुल शॉट खेला, उसके बाद एक्स्ट्रा कवर के जरिए एक ड्राइव और फिर एक और फ्रंट-फुट पुल शॉट खेला जो घास के किनारे पर गिरा।

फील्डिंग चुनने के बाद भारतीय टीम की बॉलिंग यूनिट ने पहले 6 ओवरों में श्रीलंका को 28 रन पर 3 विकेट पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया जिसके बाद कप्तान विमथ दिंसारा (32) और चमिका हेनाटिगाला (42) ने अगले छह ओवरों में 45 रन जोड़कर पारी को संभाला। हालांकि यह सेथमिका सेनेविरत्ने की छोटी लेकिन तेज़ पारी थी - 22 गेंदों में 30 रन - जिसने श्रीलंका को 135 रन के पार पहुँचाया। भारत के लिए, स्पिनर कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने दो-दो विकेट लिए।

फाइनल के चार मिनट में बदला खेल, मोरक्को ने जॉर्डन को हराकर अरब कप का खिताब जीता

दोहा । अब्दररज्जाक हामेद अल्लाह के दो गोल से मोरक्को ने अतिरिक्त समय तक चले अरब कप के फाइनल में जॉर्डन को 3-2 से पछाड़कर खिताब अपने नाम किया। लुसैल स्टेडियम में हामेद अल्लाह ने 88वें मिनट में बराबरी का गोल दागा और फिर 100वें मिनट में विजयी गोल करके मोरक्को को 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' से पहले अरब कप ट्रॉफी दिला दी। फाइनल के चार मिनट से भी कम समय में ओसामा तन्नाने ने सेंटर लाइन के पीछे से शानदार स्ट्राइक लगाकर मोरक्को को बढ़त दिलाई थी। अली ओलवान के 48वें मिनट में हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और 68वें मिनट में पेनल्टी से जॉर्डन को बढ़त दिला दी।

विश्व कप की तैयारियों के लिए खुद को चुनौती देना जरूरी : वरुण चक्रवर्ती

अहमदाबाद । भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि टी20 विश्व कप की तैयारी में उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 विकेट लिए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती तीन मैचों में लिए गए छह विकेट भी शामिल हैं।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के खिताब की रक्षा के लिए चक्रवर्ती काफी अहम खिलाड़ी है। उन्होंने 'जियोस्टार' के 'फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा, '' विश्व कप की तैयारी के लिए खुद पर लगातार दबाव बनाए रखना बहुत जरूरी है।' कर्नाटक में जन्मे इस गेंदबाज ने कहा, ''जब कोई चुनौती न हो तब भी आपको खुद को चुनौती देनी होगी। अगर कोई मैच आसान लगे तो आपको मानसिक रूप से दबाव बनाना होगा और खुद को चुनौती देना शुरू करना होगा।' उन्होंने कहा, 'उनके लिए आत्मविश्वास, सही लेंथ पर गेंदबाजी करना और विपक्षी टीम को समझना बहुत जरूरी है। यह एक अहम बात है जिसे मैं विश्व कप में ध्यान में रखना चाहता हूं। विपक्षी टीम को बेहतर ढंग से समझने से मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं।' चक्रवर्ती ने कहा कि बुनियादी बातों पर टिके रहना और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी हालिया सफलता की कुंजी रही है। उन्होंने कहा, 'मेरी योजना काफी सरल है, बुनियादी बातों पर ध्यान देना और अपनी लेंथ पर गेंदबाजी करना। कभी-कभी यह कारगर साबित होता है और शुक्र है कि पिछले तीन मैचों में यह कारगर रहा है। मैं अगले मैच में भी यही रणनीति अपनाऊंगा।'

विजय हजारे ट्रॉफी: मुंबई की संभावित टीम से रोहित-जायसवाल बाहर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले मुंबई क्रिकेट टीम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के साथ-साथ ञ्20ढ्ढ कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को कथित तौर पर मुंबई की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, चयन समिति ने इस पर स्थिति साफ करते हुए संकेत दिए हैं कि इन खिलाड़ियों के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं।

24 दिसंबर से शुरू होगा मुंबई का विजय हजारे अभियान

मुंबई की टीम 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में अपने सफर की शुरुआत करेगी। टीम को एलीट ग्रुप ष्ट में रखा गया है और ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले जयपुर में खेले जाएंगे। इस बार टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को सौंपी गई है, जिनसे संतुलित नेतृत्व और ऑलराउंड प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

बड़े नाम शुरुआती टीम से बाहर

रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई की घोषित टीम में कई बड़े भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, युवा स्टार यशस्वी जायसवाल, भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का बाहर होना फैंस के लिए चौंकाने वाला जरूर है, लेकिन इसके पीछे रणनीतिक और फिटनेस से जुड़े कारण माने जा रहे हैं।

बाहर होने का मतलब बाहर रहना नहीं

मुंबई चयन समिति ने साफ कर दिया है कि इन खिलाड़ियों का टीम सूची में नाम न होना यह तय नहीं करता कि वे टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। चयनकर्ताओं के मुताबिक, जो भी भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, उन्हें बाद में टीम में शामिल किया जा सकता है। यानी रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

यशस्वी जायसवाल की फिटनेस पर नज़र

यशस्वी जायसवाल के मामले में फिटनेस एक अहम कारण है। हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार शतक जड़ने के बाद उन्हें एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। हालांकि अब उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है, लेकिन उनकी मैच फिटनेस का अंतिम आकलन टूर्नामेंट शुरू होने के करीब किया जाएगा।

BCCI का खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने का संदेश

गौरतलब है कि BCCI ने सभी भारतीय खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट, खासकर विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेने पर जोर दिया है। यह टूर्नामेंट 50 ओवर फॉर्मेट का सबसे बड़ा घरेलू इवेंट है और 11 जनवरी से शुरू होने वाली भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले खिलाड़ियों के लिए अहम तैयारी मंच माना जा रहा है।

विराट कोहली का उदाहरण और मुंबई को उम्मीद

इस महीने की शुरुआत में विराट कोहली को दिल्ली की संभावित विजय हजारे टीम में शामिल किया गया था। इससे संकेत मिलता है कि रोहित शर्मा, जायसवाल और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी भी उपलब्धता के आधार पर अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए खेल सकते हैं। अगर ये स्टार खिलाड़ी मुंबई के लिए उतरते हैं, तो टीम का विजय हजारे अभियान और भी मजबूत हो सकता है।

टी20 विश्वकप के लिए आज भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है बीसीसीआई

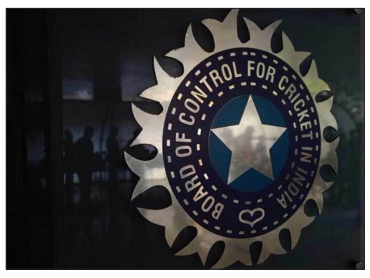

मुम्बई । अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। अब देखना होगा कि इसमें किन-किन खिलाड़ियों को अवसर मिलता है। भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर 5 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। जिसके बाद फरवरी में टी20 विश्वकप कप शुरु होगा। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए टीमों को एक महीने पहले अपने दल घोषित करने होते है पर भारतीय बोर्ड अधिकतर अंतिम समय में ही टीम की घोषणा करता रहा है हालांकि इस बार माना जा रहा है कि बोर्ड टीम की घोषणा पहले ही कर सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई 20 दिसंबर को ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ-साथ ही विश्वकप के लिए भी टीम की घोषणा कर सकता है। भारत की 15 सदस्यीय टी20 टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीमों के चयन की बैठक शनिवार 20 दिसंबर को दोपहर होने की संभावना है। अब देखना होगा कि इसमें चोटिल बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम में जगह मिलती है या नहीं। शुभमन फिट नहीं होने के कारण ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेल पाये थे। शुभमन का प्रदर्शन इस साल टी20 में अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अगर वह फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह पर संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद है।

गौतम गंभीर को लेकर कपिल देव का दो टूक: वो कोच नहीं, टीम संभालने वाले मैनेजर हैं!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज ऑलराउंडर और भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने आधुनिक कोच की परिभाषा पर ही सवाल उठाकर एक नई बहस छेड़ दी है। भारत के मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर पर उनकी तीखी टिप्पणियों ने दक्षिण अफ्रीका में भारत की हालिया टेस्ट सीरीज हार के बाद पहले से ही चल रही तीखी बहस को और हवा दे दी है। गंभीर की कोचिंग में भारत ने अब तक खेले गए 19 टेस्ट मैचों में से सात जीते हैं, दस हारे हैं और दो ड्रॉ रहे हैं। इनमें न्यूजीलैंड (0-3) और दक्षिण अफ्रीका (0-2) के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप भी शामिल है।

टीम ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी 1-3 से गंवाई। गंभीर के कार्यकाल में एकमात्र टेस्ट सीरीज जीत बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में घरेलू मैदान पर हुई टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद गंभीर को बर्खास्त करने की मांग तेज हो गई है, प्रशंसक और विशेषज्ञ उनकी टीम चयन और रणनीति की आलोचना कर रहे हैं। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के आईसीसी शताब्दी सत्र में बोलते हुए कपिल देव ने स्पष्ट किया कि समकालीन क्रिकेट में ÷कोच÷ शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है।

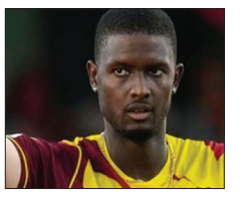

उनके अनुसार, आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पारंपरिक अर्थों में कोच की नहीं, बल्कि एक कुशल प्रबंधक की आवश्यकता है। कपिल ने साफ तौर पर कहा कि गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते, लेकिन टीम के प्रबंधक के रूप में वे निश्चित रूप से भूमिका निभा सकते हैं। उनका तर्क खेल के विकास पर आधारित था। लेग स्पिनरों से लेकर विकेटकीपरों और तेज गेंदबाजों तक, हर खिलाड़ी की विशेषज्ञता को देखते हुए, कपिल ने सवाल उठाया कि एक व्यक्ति सभी को तकनीकी रूप से कैसे प्रशिक्षित कर सकता है। इसके बजाय, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और अपेक्षाओं का प्रबंधन करना सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन गई है।

कपिल देव की ये टिप्पणियां भारतीय क्रिकेट के लिए एक संवेदनशील समय पर आई हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 की हार के बाद गौतम गंभीर आलोचनाओं के घेरे में हैं। आलोचकों ने उनके खेलने के तरीके पर सवाल उठाए हैं, खासकर खिलाड़ियों को लगातार बदलने और अंशकालिक खिलाड़ियों पर निर्भरता पर, जिससे कई लोगों का मानना है कि टीम का संतुलन बिगड़ गया। कपिल ने रणनीति की सीधी आलोचना करने के बजाय व्यापक परिप्रेक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि गंभीर की ताकत तकनीकी कोचिंग के बजाय खिलाड़ियों को बेहतर ढंग से संभालने में है, इस तरह उन्होंने पूर्व सलामी बल्लेबाज का परोक्ष रूप से बचाव करते हुए उनकी भूमिका से जुड़ी अपेक्षाओं को नए सिरे से परिभाषित किया।

होल्डर गुजरात टाइटंस के लिए फायदेमंद साबित होंगे : पार्थिव

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने इस बार आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को सबसे अधिक 7 करोड़ रुपए में खरीदने को सही फैसला बताया है। टीम के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने कहा है गुजरात टाइटंस की पिछले काफी समय से होल्डर पर नजरें थीं। पार्थिव ने कहा, हमने पिछले डेढ़ साल से होल्डर पर नजर बनाए रखी थी। वह टी20 क्रिकेट के एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। उन्होंने सभी लीग में अच्छा खेला है। गुजरात टाइटंस हमेशा अनुभवी खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए तैयार रहता है। हम सभी जानते हैं कि होल्डर कितने फायदेमंद हैं, वह अच्छी बल्लबाजी और गेंदबाजी करते हैं। वहीं युवा अशोक शर्मा को 90 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ने पर पार्थिव पटेल ने कहा, हम सभी को लगता है कि अशोक अच्छी तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। हम टीम में एक प्रतिभाशाली अनकैप्ड तेज गेंदबाज को लाना चाहते थे और ये खोज अशोक के साथ पूरी हुई है। वहीं फ्रेंचाइजी ने पृथ्वीराज यारा को 30 लाख रुपए में खरीदने के फैसले का भी बचाव किया है। इस युवा की प्रशंसा करते हुए कोच ने कहा, वह काफी समय से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेल रहे हैं। बीच में उन्हें चोट भी लगी थी। वह हमारे लिए एक बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर विविधता लाते हैं। हमें लगा कि पृथ्वीराज और अशोक का का संयोजन अच्छा रहेगा। हम उन्हें अपनी टीम में लाकर खुश हैं।

गुजरात टाइटंस टीम : रिटेंशन : अनुज रावत, ग्लेन फिलिप्स, गुरनूर सिंह बराड़, ईशांत शर्मा, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद अरशद खान, निशांत सिंधु, प्रसिद्ध कृष्णा, साई किशोर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, जयंत यादव, जोस बटलर, कगिसो रबाडा, कुमार कुशाग्र, मानव सुथार, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर।

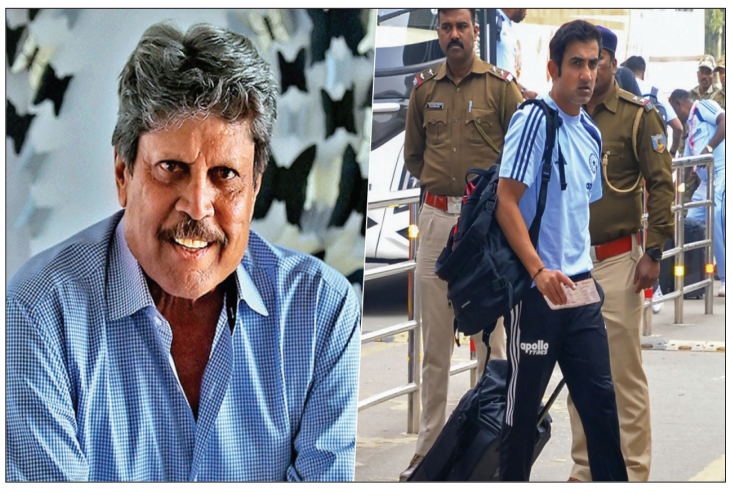

नीलामी में खरीदारी : जेसन होल्डर (7 करोड़ रुपए), टॉम बैंटन (2 करोड़ रुपए), अशोक शर्मा (90 लाख रुपए), ल्यूक वुड (75 लाख रुपए) और पृथ्वी राज (30 लाख रुपए)।

संक्षिप्त समाचार

'रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहा', यूक्रेनी राष्ट्रपति ने पश्चिमी देशों से लगाई मदद

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों और खासकर अमेरिका से मदद देने की अपील की। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जेलेंस्की ने लिखा, 'आज हमें फिर से ऐसे संकेत मिले हैं कि मॉस्को अगले साल भी लड़ाई जारी रखने की तैयारी कर रहा है। ये संकेत सिर्फ हमारे लिए नहीं हैं बल्कि ये हमारे सहयोगी देशों के लिए भी संकेत हैं कि वे भी इसे देखें और न सिर्फ देखें बल्कि इस पर प्रतिक्रिया भी दें। खासकर अमेरिका, जो अक्सर कहता है कि रूस इस युद्ध को खत्म करना चाहता है।' जेलेंस्की ने आगे लिखा, 'अमेरिका दावा करता है कि रूस, युद्ध रोकना चाहता है, लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, वे बिल्कुल उलट हैं। रूस की मानसिकता को समझकर उसके हिसाब से कार्रवाई की जानी चाहिए। रूस कूटनीति को अहमियत नहीं देता और वह बस यूक्रेन और यूक्रेन के लोगों को तबाह करना चाहता है। वह यूक्रेन की जमीन को चुराकर उसे कानूनी वैधता देना चाहता है। यूक्रेन के बाद रूस यूरोप का रुख करेगा, जहां वह यूरोप की जमीन को भी ऐतिहासिक रूप से रूस की जमीन बताएगा।' जेलेंस्की ने इसके बाद लिखा कि यूक्रेन अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य मदद की जरूरत है। साथ ही रूस की संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी जरूरत है।

इस्राइल ने गाजा के रिहायशी इलाके में दागे मोर्टार, 10 लोग घायल

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल की सेना ने बुधवार को गाजा पट्टी के एक फलस्तीनी रिहायशी इलाके में मोर्टार गोला दागा। इस घटना में कम से कम 10 लोगों के घायल होने की पुष्टि स्वास्थ्य अधिकारियों ने की है। इस्राइली सेना ने कहा कि यह फायरिंग संघर्षविराम समझौते में तय की गई तथाकथित 'येलो लाइन' के पास एक सैन्य अभियान के दौरान हुई। सेना के मुताबिक मोर्टार अपने तय लक्ष्य से भटक गया, हालांकि यह नहीं बताया गया कि लक्ष्य क्या था। सेना ने घटना की जांच शुरू कर दी है। गाजा सिटी के अल-अहली अस्पताल के निदेशक फादेल नईम ने बताया कि घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर से लागू संघर्षविराम के बाद यह पहली घटना नहीं है, जब येलो लाइन के बाहर इस्राइली फायरिंग से नागरिक हताहत हुए हों। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार संघर्षविराम के बाद अब तक इस्राइली कार्रवाई में 370 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस्राइल का कहना है कि उसने हमास की उल्लंघनों के जवाब में कार्रवाई की है, जबकि फलस्तीनी पक्ष का आरोप है कि लाइन के स्पष्ट रूप से चिन्हित न होने के कारण आम नागरिक निशाना बन रहे हैं।

रैपर के फ्लॉक को गोलीबारी मामलों में 30 साल की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रैपर के फ्लॉक (केविन पेरेज) को ब्रॉन्क्स में 2020-21 के बीच हुई कई गोलीबारी घटनाओं में दोषी पाए जाने पर 30 साल की सजा सुनाई गई है। 22 वर्षीय रैपर पर चार अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों को घायल करने और एक गैंग का मुखिया बनने का आरोप था। जज लुइस लिमन ने कहा कि पेरेज ने सोशल मीडिया पर हिंसा को बढ़ावा दिया और युवा प्रशंसकों को गलत संदेश दिया। मार्च में उन्हें रैकेटियरिंग साजिश और हत्या के प्रयास सहित कई आरोपों में दोषी ठहराया गया था।

कोलंबिया में विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अफसरों की मौत

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के काली में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। दोनों अधिकारी बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी सड़क किनारे लगाए बम से निशाना बनाया गया। घटना से पहले ईएलएन ने कैरेबियन में अमेरिकी सैन्य तैनाती के विरोध में 72 घंटे का आर्म्ड स्ट्राइक शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, सप्ताहांत में पुलिस स्टेशन व सैन्य ठिकानों पर भी हमले हुए, जिनमें एक एंबुलेंस चालक की मौत हुई।

बक रॉजर्स स्टार गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में कैंसर से निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अभिनेता गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1979 की साइ-फाई सीरीज बक रॉजर्स इन 25 सेंचुरी में मुख्य भूमिका निभाई थी। जेरार्ड की पत्नी जेनेट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि जेरार्ड को कैंसर था। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी थी। उनके साथ बिताया गया समय मेरे लिए कभी पर्याप्त नहीं हो सकता।

भारत-अमेरिका के व्यापार संबंधों के लिए 2026 की पहली तिमाही होगी काफी अहम: रिचर्ड रोसो

वाशिंगटन , एजेंसी। भारत और अमेरिका के रिश्तों ने साल 2025 में कई उतार-चढ़ाव देखे। साल की शुरुआत में जहां दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर अच्छी तेजी दिखी, वहीं आगे चलकर व्यापार से जुड़े मतभेद और कुछ भू-राजनीतिक मुद्दों पर असहमति भी सामने आई। हालांकि अब हालात धीरे-धीरे स्थिर हो रहे हैं और दोनों देश 2026 को ज्यादा सकारात्मक और उत्पादक बनाने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञ रिचर्ड रोसो ने एक साक्षात्कार में कही है। वाशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में भारत और उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर काम कर रहे रिचर्ड रोसो ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'यह रिश्ता साफ तौर पर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में शामिल था, जिन्होंने अमेरिका के साथ शुरुआत में ही बेहतर तरीके से संपर्क बनाया। इसमें राष्ट्राध्यक्ष स्तर की मुलाकात और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जैसे अहम कदम शामिल थे। हालांकि, कुछ समय बाद मतभेद सामने आने लगे।

रोसो ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर अलग-अलग नजरिया है और भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर

वॉशिंगटन में चिंता बढ़ी। इसके बावजूद रोसो का मानना है कि मौजूदा दौर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा शांत है। उन्होंने कहा, 'अब तक व्यापार समझौता पूरा नहीं हुआ है। रोज-रोज की तीखी बयानबाजी भी नहीं दिखती। यह माहौल 2026 में रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाने की नींव रख सकता है। व्यापार के मुद्दे पर रोसो ने माना कि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण बाजार रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद कुछ ऐसे कदम उठाए गए जिनसे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में निर्यात करना मुश्किल हुआ। ये नीतियां आज भी अमेरिका की सोच को प्रभावित करती हैं, खासकर राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए से।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की व्यापार नीति में समय के साथ बदलाव आया है। आयात शुल्क में कटौती, स्थानीय निर्माण की अनिवार्यता में कमी और ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ बड़े व्यापार समझौते इसके उदाहरण हैं। राजनीतिक स्तर पर आई डगमगाहट के बावजूद, व्यापारिक आंकड़े मजबूत बने हुए हैं। रोसो ने कहा कि आयात और निर्यात दोनों में साल-दर-साल बढ़ोतरी दिख रही है। 2025 के व्यापार आंकड़ों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर उच्च सिंगल-डिजिट ग्रोथ देखने को मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने हाल के महीनों में भारतीय निर्यात में आई गिरावट की ओर भी इशारा किया। रोसो ने कृषि क्षेत्र को व्यापार समझौते में सबसे बड़ी अड़चन बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के बुनियादी कृषि उत्पादों तक पहुंच की मांग कर रहे हैं। यह भारत के लिए संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि देश में बड़ी संख्या में किसान हैं, जिनके पास वैकल्पिक रोजगार के सीमित अवसर हैं। ऐसे में बड़े स्तर पर उदारीकरण सामाजिक और राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए रोसो ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था असमान है। जहां एक ओर सेवा क्षेत्र काफी उत्पादक है, वहीं कृषि क्षेत्र की उत्पादकता कम है। उन्होंने कहा कि सुधार धीरे-धीरे और संतुलित तरीके से होने चाहिए ताकि लोगों की जिंदगी पर अचानक नकारात्मक असर न पड़े। निवेश के मोर्चे पर रोसो ने भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर में अमेरिका की अरबों डॉलर की प्रतिबद्धताओं को दीर्घकालिक सोच का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं होंगी और भारत उनमें से एक होगा। उनके अनुमान के मुताबिक, भारत मध्य सदी तक 20 से 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है और अमेरिका व चीन को सीधी चुनौती देगा।

सुधारों की बात करें तो रोसो ने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत धीमी रही, लेकिन हाल के महीनों में रफ्तार बढ़ी है। उन्होंने जीएसटी में बदलाव और बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति जैसे कदमों का जिक्र किया।

2026 की शुरुआत को लेकर रोसो ने कहा कि साल की पहली तिमाही बेहद अहम होगी। संभावित व्यापार समझौता, अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा, क्वाड नेताओं की बैठक और फरवरी में होने वाला एआई इम्पैक्ट समिट इस दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं। साथ ही, भारत में होने वाले राज्य चुनाव भी सुधारों की गति को प्रभावित करेंगे। रोसो ने कहा कि पिछले 11 से 12 वर्षों में भारत ने सुरक्षा के मोर्चे पर खुद को काफी मजबूत किया है और अमेरिका के साथ सुरक्षा सहयोग भी गहरा हुआ है।

इमरान खान की बहनों और समर्थकों को प्रदर्शन करना पड़ा भारी, आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों और उनके दर्जनों समर्थकों के खिलाफ अडियाला जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के लिए आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। इमरान खान की बहनों और उनके पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। दरअसल, अधिकारियों ने जेल में बंद नेता के रिश्तेदारों और वकीलों को उनसे मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस के अनुसार, खान की दो बहनों अलीमा खान और नोरीन नियाजी के साथ-साथ सलमान अकरम राजा, नईम पंजोथा, कासिम खान, आलिया हमजा, राजा नासिर अब्बास नाम के पार्टी के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ रावलपिंडी के सदर बेरोनी पुलिस स्टेशन में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कथित तौर पर राज्य के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने और धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 120 भी लगाई। पुलिस के मुताबिक कल रात मौके पर ही कम से कम 14 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर में उल्लिखित अपराधों में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान के खिलाफ अप्रैल 2022 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से कई मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने खान से मुलाकातों पर बिना पूर्व सूचना के प्रतिबंध लगा दिए हैं। पुलिस का कहना है कि इस बहाने से कि आगंतुक ऐसी मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करते हैं। खान से आखिरी मुलाकात 2 दिसंबर को हुई थी, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का यातना मामलों की विशेषज्ञ ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति पर चिंता जताई और पाकिस्तान सरकार से कहा कि वह तत्काल और प्रभावी कदम उठाए।

चीन के सपने को अमेरिका का झटका, ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार देने को मंजूरी

बीजिंग, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने चीन को करारा झटका दिया है। सालों से दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर की स्थिति है और अब रणनीतिक मोर्चे पर अमेरिका ने ऐसा कदम उठाया है कि चीन को मिर्ची लग सकती है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार बेचने को मंजूरी दी है, जिससे चीन का तनाव बना रहता है। चीन का ताइवान पर दावा रहा है, जबकि ताइवानी नेतृत्व का जोर स्वतंत्र देश पर है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन अकसर आमने-सामने आते रहे हैं। यही नहीं 2022 में अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी भी ताइवान गई थीं और उस दौरान चीनी फाइटर जेट्स ने उनके विमानों का पीछा करने की कोशिश की थी। इससे काफी तनाव पैदा हो गया था। अमेरिका की ओर से मंजूरी किए गए पैकेज के तहत ताइवान को मध्यम दूरी की मिसाइलें दी जाएंगी। इसके अलावा होवित्जर तोपों और ड्रोन्स की भी बिक्री शामिल है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अपने भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया और चीन के साथ व्यापार या अन्य मसलों पर कोई बात नहीं की। इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। वहीं अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी, गवर्नर बोलीं- कुछ नियमों के साथ वैध बनाएंगे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क में सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी मिलने जा रही है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि डॉक्टरों की देखरेख में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सीय आत्महत्या करने को कानूनी वैधता देने पर सहमत बन गई है। अगले साल इस कानून पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

अगले साल हस्ताक्षर के साथ बन जाएगा कानून : गवर्नर ने कहा, न्यूयॉर्क 'सुरक्षा उपायों' के साथ मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने जा रहा है। बुधवार को गवर्नर और राज्य के कानूनी जानकारों के बीच हुए एक समझौते के तहत, न्यूयॉर्क गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने वाला राज्य बनने जा रहा है। डेमोक्रेटिक गवर्नर कैथी

होसुल ने बताया कि वह बिल में कई सुरक्षा उपायों को जोड़ने पर जोर देने के बाद अगले साल इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रही हैं। अमेरिका में करीब एक दर्जन राज्यों में मेडिकल सहायता से आत्महत्या की अनुमति देने वाले कानून हैं। हाल ही में इलिनोइस राज्य में भी हाल ही में ऐसा कानून बना है, जिस पर अगले साल हस्ताक्षर होंगे। न्यूयॉर्क के मेडिकल एड इन डाइंग एक्ट के लिए यह जरूरी है कि एक गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति, जिसके छह महीने के भीतर मरने की उम्मीद है, वह जीवन समाप्त करने वाली दवाओं के लिए लिखित अनुरोध करे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोगी पर कोई दबाव नहीं डाला जा रहा है, दो गवाहों को अनुरोध पर हस्ताक्षर करने होंगे। इसके बाद अनुरोध को व्यक्ति के इलाज करने वाले डॉक्टर के साथ-साथ एक सलाहकार डॉक्टर द्वारा भी अनुमोदित किया जाना होगा।

कुछ प्रावधानों को जोड़ने पर बनी सहमति : गवर्नर ने कहा कि बिल के प्रायोजकों और कानूनी जानकारों ने ऐसे प्रावधान जोड़ने पर सहमति व्यक्त की है जिसमें एक मेडिकल डॉक्टर से पुष्टि की जरूरत होगी कि व्यक्ति के पास वास्तव में जीने के लिए छह महीने से कम समय बचा है, साथ ही एक मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से पुष्टि की जाएगी कि रोगी निर्णय लेने में सक्षम है और उस पर कोई दबाव नहीं है। बुधवार को होसुल ने कहा कि इस बिल को सपोर्ट करना गवर्नर के तौर पर उनके सबसे मुश्किल फैसलों में से एक था। उन्होंने कहा, 'मैं कौन होती हूं जो आपको या आपके किसी अपने को, जो ज़िंदगी के आखिरी समय में जिस चीज की मांग रहे हैं, उसे देने से मना करूं? मैं अब ऐसा और नहीं कर सकती थी।' यह कानून पहली बार साल 2016 में पेश किया गया था।

पुलित्जर विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का निधन, गोलियों और बमों के बीच दशकों तक की रिपोर्टिंग

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। वियतनाम के धान के खेतों से लेकर इराक के रेगिस्तानों तक युद्धों की प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग दुनिया तक पहुंचाने वाले, गोलियों और बमों से बचते हुए दशकों तक काम करने वाले पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। एसोसिएटेड प्रेस के लिए वियतनाम युद्ध की रिपोर्टिंग पर 1966 में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग का पुलित्जर पुरस्कार जीतने वाले अर्नेट का बुधवार को न्यूपोर्ट बीच में निधन हुआ। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि उस समय वे दोस्तों और परिवार से घिरे हुए थे। उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने

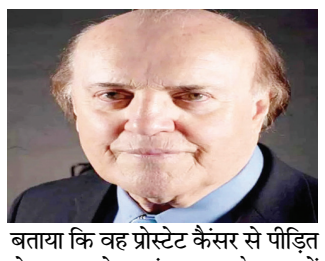

बताया कि वह प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित थे। वायर सेवा संवाददाता के रूप में अर्नेट 1962 से 1975 में युद्ध समाप्त होने तक वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे और उस दौरान वे मुख्य रूप से अन्य पत्रकारों के बीच ही जाने जाते थे। हालांकि 1991 में सीएनएन के लिए पहले खाड़ी युद्ध की लाइव रिपोर्टिंग करने के बाद वे आम लोगों के बीच भी एक जाना-पहचाना नाम बन गए। एडिथ लेडरर 1972-73 में वियतनाम युद्ध के दौरान उनकी साथी व एसोसिएटेड प्रेस की संवाददाता थीं। उन्होंने कहा, पीटर अर्नेट अपने समय के युद्ध कवर करने वाले महान संवाददाताओं में से एक थे। वह निडर, साहसी और बेहतरीन लेखक थे। उनकी रिपोर्टिंग आने वाली पीढ़ियों के पत्रकारों और इतिहासकारों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। 1962 से 1975 तक अर्नेट वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे। उन्होंने 1991 में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान इराक से लाइव अपडेट देकर दुनियाभर में प्रसिद्धि हासिल की। अमेरिकी नेतृत्व वाले हमले से पहले अधिकांश पश्चिमी पत्रकार बगदाद छोड़ चुके थे, लेकिन अर्नेट वहीं रहे। मिसाइल हमलों के बीच उन्होंने अपने होटल से फोन से लाइव रिपोर्टिंग की। उन्होंने 1966 में अमेरिकी सैनिकों की बटालियन के साथ नॉर्थ वियतनामी स्नाइपरों के खिलाफ ऑपरेशन में भाग लिया। उन्होंने याद किया कि एक गोली बटालियन कमांडर को लगी, जो उनके सामने गिर गए। अर्नेट ने वियतनाम में काम करने से एक साल पहले एसोसिएटेड प्रेस में इंडोनेशिया के संवाददाता के रूप में अपनी नौकरी शुरू की थी। इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था पर रिपोर्ट करने के बाद उन्हें देश से निकाल दिया गया।

वेनेजुएला के खिलाफ युद्ध पर अड़े ट्रंप, सैन्य कार्रवाई रोकने की अमेरिकी संसद की कोशिश भी बेकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी बढ़ा दी है, जिसके बाद वेनेजुएला ने अमेरिका पर युद्ध थोपने का आरोप लगाया। बुधवार को कुछ डेमोक्रेट सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया गया, जिसमें वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को रोकने की मांग की गई थी, लेकिन सदन के रिपब्लिकन सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया, जिसके बाद यह खारिज हो गया। डेमोक्रेट्स के समर्थन वाला प्रस्ताव खारिज ट्रंप ने दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई बढ़ा दी हैं। जिस पर कांग्रेस ने भी सवाल उठाया। अमेरिकी सेना कैसे एक अभियान चला रही है, जिसके तहत कैरेबियाई क्षेत्र में कथित तौर पर ड्रग्स ले जा रहे 26 जहाजों को निशाना बनाया गया है और बुधवार को हुए एक हमले सहित इन हमलों में कम से कम 99 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी कर दी है और अपने युद्धपोतों को तैनात कर दिया है। डेमोक्रेट्स ने युद्ध शक्तियों के प्रस्तावों का इस्तेमाल करके वोटिंग करवाई। इस प्रस्ताव के तहत ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस की अनुमति लेना जरूरी हो जाता। रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप के अभियान का समर्थन किया हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेट सांसद, ग्रेगरी मीक्स ने तर्क दिया कि वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की आक्रामकता असल में इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति वेनेजुएला के तेल पर नजर गड़ाए हुए हैं। हालांकि रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप के अभियान का लगातार समर्थन किया है। सीनेट के बहुमत दल के नेता जॉन थून ने बुधवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे निश्चित रूप से कोई समस्या नहीं है। मादुरो ने आरोप लगाया, 'अमेरिका, वेनेजुएला में लक्ष्य सत्ता परिवर्तन करके एक कठपुतली सरकार थोपना चाहता है जो 47 घंटे भी नहीं टिकेगी, जो संविधान, संप्रभुता और सारी संपत्ति सौंप देगी। इससे वेनेजुएला एक उपनिवेश बन जाएगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा।' वहीं मंगलवार को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'वेनेजुएला के आसपास सैन्य तैनाती तब तक बढ़ेगी जब तक वेनेजुएला अमेरिका को तेल, ज़मीन और अन्य संपत्ति जो उन्होंने पहले हमसे चुराई थी, वापस नहीं कर देता।

अमेरिकी सीनेटर ने भारत-चीन से आने वाली जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता पर जताई चिंता

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के एक सीनेटर ने भारत और चीन समेत दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सीनेटर रिक स्कॉट का कहना है कि भारत और चीन से आने वाली जेनेरिक दवाएं पर बढ़ती निर्भरता अमेरिकी परिवारों के लिए खतरा बन सकती है। सीनेट की स्पेशल कमेटी ऑन एजिंग के अध्यक्ष सीनेटर रिक स्कॉट ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे रसायनों का बड़ा हिस्सा विदेशों में बनता है। यह स्थिति न सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। रिक स्कॉट ने कहा, 'जो भी अमेरिकी दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर निर्भर है, उसे अपनी दवाओं में छिपे इंग्रीडिएंट्स के बारे में जानने का हक है।' उनकी समिति अमेरिका की दवा आपूर्ति श्रृंखला में मौजूद कमजोरियों को उजागर करने के लिए एक बार फिर सक्रिय हुई है। सीनेटर स्कॉट इस मुद्दे पर समिति की वरिष्ठ सदस्य सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रैंड के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके तहत कई जांच, सुनवाई और सरकारी एजेंसियों और उद्योग जगत के साथ संवाद किए गए हैं। सीनेटर स्कॉट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं में लगभग 80 प्रतिशत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) विदेशों से आते हैं। इनमें से कई दवाएं असुरक्षित और गंदी फैक्ट्रियों में तैयार की जाती हैं, जहां निरीक्षण बहुत कम होता है। कुछ मामलों में इन दवाओं से गंभीर स्वास्थ्य नुकसान होता है। उन्होंने कहा, 'ये दवाएं लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता एक रणनीतिक कमजोरी भी है। 'स्कॉट ने चेतावनी दी कि चीन किसी भी समय दवाओं की आपूर्ति

रोक सकता है, जिससे बुजुर्गों, सेना के जवानों और आम अमेरिकियों को जरूरी दवाएं नहीं मिल पाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही विदेशी फैक्ट्रियों में कुछ अचानक निरीक्षण किए जा रहे हों, लेकिन अमेरिकी एफडीए अमेरिका के बाहर स्थित दवा इकाइयों की तुलना में देश के भीतर कहीं ज्यादा निरीक्षण करता है। कई बार विदेशी कंपनियों को नियमों के उल्लंघन पर भी छूट दे दी जाती है ताकि सप्लाई चेन बाधित न हो। समिति की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका में दवाओं का घरेलू उत्पादन तेजी से घटा है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने अपनी जरूरत की सिर्फ 37 प्रतिशत दवाएं खुद बनाईं, जबकि 2002 में यह आंकड़ा 83 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाले 95 प्रतिशत आइबुप्रोफेन, 70 प्रतिशत पैरासिटामोल और 45 प्रतिशत से अधिक पेनिसिलिन चीन से आते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दुनियाभर में एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत एपीआई चीन में बनते हैं। वहीं, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली शीर्ष 100 जेनेरिक दवाओं में से 83 प्रतिशत के एपीआई का कोई भी स्रोत अमेरिका में नहीं है। भारत की भूमिका भी इस आपूर्ति श्रृंखला में अहम है। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 50 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, लेकिन भारतीय कंपनियां भी अपने लगभग 80 प्रतिशत एपीआई के लिए चीन पर निर्भर हैं। समिति ने 2025 के एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि भारत में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़े गंभीर दुष्प्रभाव अमेरिका में बनी समान दवाओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक पाए गए। इन दुष्प्रभावों में स्थायी विकलांगता या मौत जैसे जोखिम शामिल हैं। सीनेटर स्कॉट ने कहा कि अमेरिकियों को अपनी दवाओं की सुरक्षा और उपलब्धता को लेकर 'जुआ खेलने' के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दवा प्रणाली में भरोसा बहाल करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग की। समिति की रिपोर्ट में कई सुझाव दिए गए हैं, जिनमें जरूरी दवाओं के लिए अमेरिकी निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने वाला फेडरल बायर मार्केट बनाना, दवा आपूर्ति श्रृंखला की मैपिंग, दवाओं के मूल देश की जानकारी अनिवार्य करना, व्यापारिक जांच जैसे सेक्शन 232 का इस्तेमाल, 'मेड इन अमेरिका' लेबल के दुरुपयोग को रोकना और अमेरिकी बायोटेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना शामिल है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।